राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

तृषा कृष्णन फिल्म लियो से एक ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शनिवार, 05 अगस्त 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 226 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उर्वरकों की कीमतें बढ़ीं, उपलब्धता सुनिश्चित की गई: मांडविया

नयी दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर उर्वरकों की उपलब्धता में कमी तथा उर्वरकों एवं इसके कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि हुई है लेकिन उसने राजसहायता (सब्सिडी) में वृद्धि करके उचित कीमतों में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की है। लोकसभा में प्रीतम गोपीनाथ मुंडे और राहुल रमेश शेवाले के प्रश्न के लिखित उत्तर में रसायन एवं उर्वरक मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने यह जानकारी दी। सदस्यों ने पूछा था कि क्या यूक्रेन में युद्ध का कृषि उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति पर व्यापक प्रभाव पड़ा है जिससे विश्व भर में खाद्य सुरक्षा संभावित रूप से कम हो गई है। केंद्रीय मंत्री मनसुख

मांडविया ने कहा, '' रूस–यूक्रेन युद्ध के परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर उर्वरकों की उपलब्धता में कमी तथा उर्वरकों एवं इसके कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि हुई है। फिर भी भारत सरकार ने राजसहायता की मात्रा में वृद्धि करके उचित कीमतों में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की है।'' उन्होंने बताया कि 2021–22 में उर्वरकों की राजसहायता पर 1,57,640.09 करोड़ रुपये व्यय किए गए थे जो 2022–23 में बढ़कर 2,54,798.93 करोड़ रुपये हो गए। रसायन एवं उर्वरक मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक करारोंऔर संयुक्त उद्यमोंको भी सुगम बनाया है। मांडविया ने बताया कि वर्तमान में यूरिया की लागत 5,911 रुपये प्रति मीट्रिक टन है जबकि पाकिस्तान मेंयूरिया की लागत 63,166 रुपये प्रति मीट्रिक टन (अगस्त 2022), चीन में 42,524 रुपये प्रति मीट्रिक टन (अगस्त 2022) और बांग्लादेश में 12,551 रुपये प्रति मीट्रिक टन (अगस्त 2022) है।

सेना से जुड़ा बिल लोकसभा में पास

राजनाथ सिंह बोले: राष्ट्र को सशक्त करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। लोकसभा में अंतर–सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023 पास हो गया है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि यह विधेयक हमारी सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों में एकीकरण और एकजुटता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे वे एकजुट और एकीकृत तरीके से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह विधेयक सैन्य सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस विधेयक में कोई अतिरिक्त वित्तीय निहितार्थ शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सरकार, लगातार नए–नए सुधार के माध्यम से राष्ट्र को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने, लगभग हर क्षेत्र में नई–नई पहलें की हैं पुराने अनेक कघनूनों का खात्मा किया हैं जहां जरूरत पड़ी है, वहाँ पुराने नियमों–कघनूनों में संशोधन किया हैय और जहाँ जरूरत पड़ी है, वहाँ नए नियम–कानून परिचय देना भी किए हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक, दो महत्वपूर्ण मकसदों को एक साथ पूरा करता है। यह हमारी सशस्त्र बल के तीनों अंगों के बीच एकीकरण, तथा संयुक्तता की दिशा में बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का एकजुट, और एकीकृत तरीके से मुकाबला कर सकेंगे। यह एक ऐसा वातावरण बनाने में भी मदद करेगा, जो हमारे अंतर–सेवा संगठन में अनुशासन को मजबूत करेगा।

राजनाथ ने कहा कि अनुशासन सेना की आत्मा है। यह उनके चरित्र और संकल्प को मजबूत करता है। यह आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के साथ–साथ, एक इकाई या स्थापना के सैनिकों को एकजुट करने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के कर्मी, अपने संबंधित अधिनियम, यानी सेना अधिनियम 1950, नौसेना अधिनियम 1957 और वायु सेना अधिनियम 1950 के तहत बनाए गए नियम और कानून के अनुसार शासन करते हैं। संयुक्त रूप से, या एकजुट होकर कार्य करने के लिए, प्दजमहतंजपवद की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि संयुक्तता को पदोन्नति करने के लिए जो भावना होनी चाहिए, वह इस ठपसस में हैप यह अंतर–सेवा संगठन के प्रमुखों को बेहतर अनुशासनात्मक एवं प्रशासनिक शक्तियाँ प्रदान करता है, जिससे वे अपने वतहदंपेजपवदे में प्रभावी आदेश, नियंत्रण और अनुशासन ला सकेंगे, और हमारे सुरक्षा ढांचे को और भी मजबूत बनाएंगे

क्या पाकिस्तान के साथ अमेरिका करने जा रहा है भारत जैसा रक्षा समझौता, क्यों भारत के लिए है बड़ा झटका?

नई दिल्ली। मेक न्यू फ्रेंड्स बट किप द ओल्ड ये लाइन 1990 के दशक में कही गई थी। लेकिन आज भी ये बात प्रासंगिक

हैं। न केवल निजी रिश्तें में अपितु जियो पॉलिटिक्स में भी इसके अहम मायने हैं। पाकिस्तान की कैबिनेट ने वाशिंगटन के साथ प्रमुख सुरक्षा समझौते सीआईएस–एमओए को मंजूरी दी है। इससे पहले अमेरिका ने साल 2018 में भारत के साथ ही इसी तरह की डील की थी। इस डील के बाद पाकिस्तान के लिए अमेरिका से घातक हथियार पाने का रास्ता साफ हो गया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका इस्लामाबाद को हथियार बेचने की योजना बना रहा है। अगर इस खबर में थोड़ी सी भी सच्चाई है तो भारत को लेकर इसके क्या मायने हैं? जो बाइडेन पाकिस्तान के प्रति अमेरिका के जुनून को क्यों नहीं बदल सकते?

ये समझौता क्यों महत्वपूर्ण है: अमेरिका इस तरह का 15 सालों वाला समझौता किसी देश के साथ नहीं करता है। यह समझौता सहयोगियों के लिए आरक्षित है। अगर पाकिस्तान ये डील साइन कर लेता है तो अमेरिका से हथियार खरीदना आसान हो जाएगा। ऐसे में ये सवाल उठ रहे हैं कि अमेरिका क्या पाकिस्तान को हथियार बेचने की योजना बना रहा है। अगर हां, तो ये खतरनाक हो सकता है। पिछले साल पेंटागन ने 450 मिलियन डॉलर के पाकिस्तान के लिए एफ 16 पैकेज को मंजूरी दी थी।

यूएस संग सुरक्षा समझौते को पाक से मंजूरी

पाकिस्तान कैबिनेट ने अमेरिका के साथ एक नए सुरक्षा समझौते पर दस्तखत करने को मंजूरी दी है। यह कदम पाकिस्तान के लिए अमेरिका से सैन्य उपकरण पाने के रास्ते खोल सकता है। समझौते पर दस्तखत करने को लेकर किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान और अमेरिका रक्षा क्षेत्र में संबंधों को और बढ़ावा देने के लिए सहमत हुए थे। अमेरिका की केंद्रीय कमान के चीफ जनरल माइकल एरिक और जनरल आसिम मुनीर के बीच सहमति बनी थी।

ज्ञानवापी पर सीएम योगी का बयान सही नहीं...

बहस के दौरान सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष की दलील

नई दिल्ली। ज्ञानवापी परिसर में एएसआई के सर्वे को रुकवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची मस्जिद कमेटी ने सुनवाई के दौरान योगी आदित्यनाथ के बयान का भी जिक्र किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो बातें कही कि इसे मस्जिद कहना ही विवाद होगा। मुस्लिम पक्ष को सामने आना चाहिए। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि ज्ञानवापी पर सीएम योगी का बयान गलत है। मुस्लिम निकाय अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का सर्वेक्षण इतिहास में जाने का इरादा रखता है और श्अतीत के घावों को फिर से ताजा कर देगा। मस्जिद प्रबंधन समिति की ओर से

पेश वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष दलील दी कि एएसआई की यह कवायद श्इतिहास को खोदनाश है, पूजा स्थल अधिनियम का उल्लंघन करना और भाईचारे और धर्मनिरपेक्षता पर आघात करना है। बहस के दौरान मुस्लिम पक्ष के वकील ने सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान का हवाला भी दिया। उन्होंने कोर्ट को बताया कि इस मामले में सीएम का बयान सही नहीं है। इसमें राज्य का सही नहीं है। पॉडकास्ट में ज्ञानवापी मुद्दे पर पूछे गए सवाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफगोई से उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि हम उसे मस्जिद कहेंगे तो फिर विवाद होगा। भगवान ने जिसे दृष्टि दी है, वह देखे। मस्जिद के अंदर त्रिशूल क्या कर रहा है। हमने तो नहीं रखे हैं न। ज्योतिर्लिंग हैं, देव प्रतिमाएं हैं। पूरी दीवारें चिल्ला–चिल्लाकर क्या कह रही हैं। मुझे लगता है कि ये प्रस्ताव मुस्लिम समाज की तरफ से आना चाहिए कि ऐतिहासिक गलती हुई है। उस गलती के लिए हम चाहते हैं कि उसका समाधान हो।

राहुल गांधी की सजा पर रोक को कांग्रेस ने बताया नफरत के खिलाफ प्यार की जीत, ट्वीट कर कहा– सत्यमेव जयते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जीत है। सत्यमेव जयते – जय हिंद।ष

– कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि यह खुशी का दिन है...मैं आज ही लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखूंगा और बात करूंगा।ष उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को उच्चतम न्यायालय से राहत मिल गयी है, उन्हें सदन में आने की अनुमति जल्द से जल्द दी जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि धिनौनी साजिश बेनकाब हो गई है। – राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा कि राहुल गांधी पर मानहानि के मुकदमे में सजा पर रोक का सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतयोग्य है। यह सच्चाई एवं न्याय की जीत है। – केरल कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि केरल के लोग, विशेषकर वायनाड के लोग खुश होंगे क्योंकि उन्हें अपना सांसद वापस मिल गया है। बीजेपी को इस मुद्दे पर माफी मांगनी चाहिए। भारत की सर्वोच्च अदालत को एहसास हुआ कि यह राहुल गांधी को चुप कराने का एक प्रयास है। – राहुल गांधी की श्मोदी उपनामश टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगा दी है। इसके बाद कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों के नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने इसे ष्नफरत के खिलाफ प्यार की जीतष कहा। कांग्रेस ने ट्वीट किया, ष्यह नफरत के खिलाफ प्यार की

सुप्रीम कोर्ट से अंडमान के मुख्य सचिव केशव चंद्रा को बड़ी राहत, कलकत्ता एचसी के फैसले पर लगी रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक नोटिस जारी किया और कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसने 3 अगस्त को पारित आदेश में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह प्रशासन के मुख्य सचिव केशव चंद्रा को निलंबित कर दिया था और 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने निर्देशों को लागू नहीं करने के लिए उपराज्यपाल एडमिरल डीके जोशी पर अपने स्वयं के कोष से 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति

मनोज मिश्रा की पीठ ने मुख्य सचिव और उपराज्यपाल की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी की दलीलों पर ध्यान दिया और उच्च न्यायालय की पोर्ट ब्लेयर पीठ के आदेश पर रोक लगा दी। इस पर सीजेआई ने कहा कि उस आदेश को पाने के लिए आपने कुछ कठोर कदम उठाया होगा। हम इन दिशाओं में रहेंगे। पीठ ने कहा कि आप (याचिकाकर्ता) इसे पाने के लिए न्यायाधीशों को वास्तव में नाराज कर चुके होंगे... हम इसे अगले शुक्रवार को रख रहे हैं। मामला सितंबर 2017 से पूर्वव्यापी प्रभाव से स्थानीय पीडब्ल्यूडी और अन्य विभागों के 4800 से अधिक दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को बढ़ी हुई मजदूरी का भुगतान करने से संबंधित है। 2022 में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इन मांगों को बरकरार रखा और कहा कि कर्मचारी 1ध्30 वें हिस्से के हकदार थे। केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट प्रतिदिन आठ घंटे के काम के लिए न्यूनतम प्रासंगिक वेतनमान और महंगाई भत्ता पर भुगतान करें। पहले के आदेशों का पालन न करने से परेशान आदेश में कहा गया कि शपथपत्र के अभिसाक्षी के पास उच्च मंच के समक्ष चुनौती दिए बिना, एकल पीठ के समक्ष तय किए गए और डिवीजन बेंच द्वारा पुष्टि किए गए मुद्दों को चुनौती देने और फिर से खोलने का दुस्साहस था। यह आचरण प्रथम दृष्टया अपमानजनक है और इसने भारत के संविधान के अनुच्छेद 215 के तहत इस अदालत की एक खंडपीठ के अवमानना घ्क्षेत्राधिकार को मजाक में बदल दिया है।

आतंकवाद से जुड़े मामले में एनआईए का एक्शन, दक्षिण कश्मीर में हिज्बुल मुजाहिदीन कमांडर के घर पर छापा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को आतंकवाद से जुड़े मामले में जम्मू–कश्मीर में पांच स्थानों पर छापेमारी की। कुलगाम निवासी हिज्बुल मुजाहिदीन के कमांडर उमर गनी के घर पर भी छापेमारी की जा रही है। आधिकारिक सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि एनआईए टीम ने पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर कुलगाम और पुलवामा में पांच स्थानों पर छापेमारी शुरू की। दक्षिण कश्मीर में दो स्थानों सेदरगुंड और उगरगुंड पर छापेमारी चल रही थी।

दिल्ली आबकारी नीति : सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई चार सितंबर को

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े उन दो मामलों में आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई चार सितंबर को करेगा जिनकी जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहे हैं। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना तथा न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने सिसोदिया की पत्नी के चिकित्सकीय दस्तावेजों को देखा और कहा कि उनकी हालत ''काफी हद तक स्थिर'' है इसलिए पीठ पूर्व उप मुख्यमंत्री की अंतरिम जमानत याचिकाओं पर नियमित जमानत याचिकाओं के साथ ही गौर करेगी। सिसोदिया ने अपनी पत्नी की खराब सेहत के आधार पर अंतरिम जमानत का अनुरोध किया है। उच्चतम न्यायालय ने

14 जुलाई को दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित दो मामलों में सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी से जवाब दाखिल करने को कहा था। दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर 2021 को नीति लागू की थी, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच सितंबर 2022 के आखिर में इसे वापस ले लिया गया। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के पास आबकारी विभाग भी था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उन्हें ''घोटाले'' में उनकी कथित भूमिका के लिए पहली बार 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था और तब से वह हिरासत में हैं। उन्होंने 28 फरवरी को दिल्ली मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। ईडी ने तिहाड़ जेल में उनसे पूछताछ के बाद नौ मार्च को सीबीआई की प्राथमिकी से जुड़े धनशोधन मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। उच्च न्यायालय ने 30 मई को सीबीआई मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि उपमुख्यमंत्री एवं आबकारी विभाग का मंत्री होने के नाते, वह एक 'हाई–प्रोफाइल' व्यक्ति हैं जो गवाहों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। अदालत ने तीन जुलाई को आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में उन्हें जमानत देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि उनके खिलाफ आरोप 'बहुत गंभीर प्रकृति' के हैं।

विद्युत उपभोक्ता एवं जनप्रतिनिधि सम्पर्क अभियान से सम्बंधित बैठक हुई आयोजित

31 जुलाई 2023 से 06 अगस्त 2023 तक विद्युत व्यवस्था सु.ढ़ीकरण एवं विद्युत उपभोक्ताओं के त्वरित समाधान के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में ऊर्जा मंत्री, उ0प्र0 सरकार के निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 31.07.2023 से 06.08.2023 तक प्रदेश में चलाये जा रहे विद्युत उपभोक्ता एवं जनप्रतिनिधि जन सम्पर्क अभियान के क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जन सम्पर्क अभियान का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान सांसद प्रतिनिधि आनन्द त्रिपाठी, विधान परिषद सदस्य प्रतिनिधि, विधायक खलीलाबाद के प्रतिनिधि, नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल, एवं विभिन्न नगर पंचायत अध्यक्षगण एवं जिलाधिकारी संदीप कुमार व मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार एवं विद्युत विभाग के मुख्य अभियन्ता (वितरण), बस्ती, अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल सन्तकबीर नगर, अधिशासी अभियन्ता एवं उपखण्ड अधिकारी आदि उपस्थित रहे। बैठक में विद्युत विभाग में विद्युत व्यवस्था के सु.ढीकरण हेतु चल रही विभिन्न योजनाओं में बारे में जनप्रतिनिधिगणों को अवगत कराया गया तथा जनपद के अन्तर्गत निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु जनप्रतिनिधिगणों द्वारा दिये गये सुझावों एवं उनकी अपेक्षाओं के अनुसार विद्युत कनेक्शन, जर्जर तारों को बदले जाने की कार्यवाही सहित विद्युत उपभोक्ताओं के विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आश्वस्त किया गया।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न योजनाओं यथा आर0डी0एस0एस0 एवं बिजनेस प्लान के अन्तर्गत चल रहे विद्युत निर्माण/सृ.ढ़ीकरण कार्यो के ससमय संचालन एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु अधिशाषी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया गया। विधायक द्वारा निर्देश दिया गया कि भीषण गर्मी के चलते ओवरलोडिंग होने से बाधित आपूर्ति पर पूर्णतः अंकुश करने हेतु आवश्यक कार्यो को अग्रिम दो माहों में पूर्ण कर लिया जाय। बैठक में विभिन्न जन प्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र में विद्युत से सम्बन्धित शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

खरवानिया ग्राम चौपाल में दीप श्रीवास्तव ने सुनी ग्रामीणों की समस्या

ग्राम चौपाल का हुआ आयोजन,वीडियो ने सुनी ग्रामीणों की जन समस्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। ग्राम चौपाल योजना प्रत्येक ग्राम पंचायतों में चल रही है और वहां पर चौपाल लगाकर गांव के लोगों की जन समस्याओं को सुनकर उस समस्या का समाधान किया जा रहा है।इसी कड़ी में शुक्रवार को जिले के मेंहदावल विकासखंड क्षेत्र के डुमरिया बाबू ग्राम पंचायत में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम चौपाल की अध्यक्षता बीडीओ सुरेंद्र कुमार मौर्य द्वारा किया गया। जिसमें ब्लॉक के अन्य अधिकारी व ग्राम प्रधान भी उपस्थित रहे। ग्राम चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। इस जन चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को उपस्थित अधिकारियों के समक्ष रखा उपस्थित अधिकारियों ने उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारण करने के साथ–साथ उन्हें मार्गदर्शन और सुझाव दिया। उपस्थित ग्रामीणों को सरकार के द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से पेंशन, किसान सम्मान निधि, पीएम आवास आदि समस्याओं की बहुलता रही। इस ग्राम चौपाल के दौरान बीडीओ सुरेंद्र कुमार मौर्य, ग्राम पंचायत अधिकारी अभिनव रवि वत्स, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्याम राज निषाद ग्रामीण मौजूद रहे। इसी कड़ी में मेहदावल विकासखंड के ग्राम पंचायत खरवनिया में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया ग्राम विकास अधिकारी दीप चंद श्रीवास्तव द्वारा ग्रामीणों की समस्या सुनी गई। सरकार की योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने के लिए और समस्या का समाधान करने के लिए ग्राम चौपाल प्रत्येक शनिवार को लगाई जा रही है। इसी दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अच्छू चौधरी, अमीर ,गुलजार ,राजेश, निसार, पूजा यादव, शारदा, सावित्री, मनभावती, रंभावती, महावीर, कुसुम, इंद्रावती, उर्मिला, आदि दर्जनो ग्रामीण उपस्थित रहे।

निर्वाचक नामावली के मतदेय स्थलों के सम्भाजन के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों व अधिकारियों के साथ की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी अरविंद सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में मतदेय स्थलों के संभाजन के अंतर्गत मतदान स्थल के प्रस्ताव तैयार कराने हेतु एवं मतदाता सूची के आलेख प्रकाशन के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर संबंधित को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करते हुए मतदेय स्थलों के प्रस्ताव के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत करने की अपेक्षा की है। जिलाधिकारी ने कहा अगर कोई बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो या किसी कारणवश बिल्डिंग परिवर्तन की आवश्यकता है तो इसे समय रहते कर लिया जाए। उन्होंने कहा मतदान के समय मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए किसी भी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए

- मतदान केंद्र बनाते समय मूलभूत सुविधाओं का रखा जाए ध्यान
- 2 किलोमीटर से अधिक दूरी पर नहीं हो कोई मतदान केंद्र

स भारत निर्वाचन आयोग के मैनुअल के अनुसार ही मतदान केंद्र बनाया जाए। उन्होंने कहा मतदाताओं की सुविधाओं का भी ध्यान का रखा जाए । उन्होंने कहा कि मतदान 2 किलोमीटर से अधिक दूरी पर ना हो सभी मतदान केंद्रों पर, मूलभूत सुविधाएं जैसे प्रकाश ,शौचालय, रैम्प, पानी ,लाइट आदि की भी व्यवस्था की जाए। बैठक के बाद उन्होंने ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप कुमार सहित समस्त उपजिलाधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि गणों एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर कांग्रेस ने इसे तानाशाही पर लोकतंत्र की जीत बताया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद

राहुल गांधी के मामले में गुजरात हाई कोर्ट के फैसले जिससे उनकी सदस्यता छीनने के साथ ही उन्हें दो साल की सजा दे दी गयी थी जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने अपना अलग निर्णय देते हुए उनके सजा पर रोक लगा दिया जिसको लेकर पूरे देश में एक उत्साह का माहौल दिखा इसी तरह बलरामपुर जिला मुख्यालय पर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने खुशी में मिठाइयां बाट कर एक दूसरे का मुंह मीठा कराके अपने खुशी का इजहार किया जनपद में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व सांसद चंद्रभान मणि तिवारी पूर्व विधायक मंगल देव सिंह पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू। प्ब्मारकंडे मिश्रा पूर्व ब्लॉक प्रमुख राज बहादुर यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख शिवलाल पूर्व जिला अध्यक्ष हरीश बिन खालिद कुंवर अजीज उत्साही पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष घनश्याम मिश्र विनय कुमार मिश्रा अवधेश पाल सिंह इजहार अहमद अमेरिका प्रसाद कुरील माता प्रसाद चौहान परवेज खान बृजेश चौहान आदि ने खुशी का इजहार करते हुए इसे लोकतंत्र की जीत बताया है। उक्त अवसर पर जिला अध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने कहा यह जीत राहुल गांधी की जीत नहीं यह तानाशाही पर लोकतंत्र की जीत है जिसका स्वागत ना केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि पूरा देश कर रहा है इस सरकार के लिए इससे बड़ी शर्म की बात और क्या हो सकती है देश अब राहुल गांधी को 2024 की ताजपोशी के लिए तैयार है।

मोटरसाइकिल चोरी मामले में अभियुक्त पकड़ा गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर केशव कुमार' द्वारा

अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 'अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव' व 'क्षेत्राधिकारी उतरौला ज्योतिश्री के देखरेख में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना रेहरा बाजार के नेतृत्व मेः– थाना रेहरा बाजार पुलिस टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र एवं शांति व्यवस्था व तलाश वाछिंत अभियुक्त के अनुपालन प्रतिक्रिया सूचना अभियान के दौरान थाना स्थानीय पर पंजी.त मु0अ0सं0 224/23 धारा 379/411 भा0द0वि0 से संबंधित वाँछित अभियुक्त रामकुमार उर्फ गोलू पुत्र रक्षाराम उर्फ खोदे निवासी लोनियन पुरवा थाना रेहरा बाजार बलरामपुर को 01 अदद चोरी की मोटर साइकिल के साथ गिरतारकर कर न्यायालय भेजा गया।

4400 मीटर लंबी सड़क का विधायक ने किया शिलान्यास

.क्षेत्रीय लोगों में उत्साह विधायक को दिया धन्यवाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। 4400 मीटर लंबी सड़क का विधायक ने फीता काटकर शिलान्यास किया। सडक के निर्माण होने से दर्जनों ग्राम पंचायतों व मजरो के आवागमन बेहतर होंगे। कटरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक बावन सिंह के द्वारा कर्नलगंज आर्य नगर मार्ग कौडिया रेलवे कार्सिंग के समीप नहर के पटरी से बेलवाबाजार,पादणी पुरवा, माला पुरवा, छोटका पुरवा, बरीडीहा, गंगू भरी, उसरैना, मल्लापुर सहित कई ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाली 4400मीटर मुख्य सड़क का मंत्रोच्चारण करते हुए फीता व नारियल तोड़ कर शिलान्यास किया गया। विधायक सिंह ने कहा कि इस सड़क के निर्माण कार्य होने से क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों के लोगों को जिला मुख्यालय आने जाने में सुविधा होगी उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के द्वारा कटरा विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछा दिया गया है जिससे हर क्षेत्र के लोगों को आवागमन करने में बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। कार्यक्रम का संचालन भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ देवानंद के द्वारा किया गया। श्री शुक्ला ने कहा कि क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि हर गांव हर क्षेत्र में सड़कों को जोड़ने का कार्य सरकार के द्वारा किया जा रहा है क्षेत्रीय सड़क चर्चा करते हुए लोगों को अवगत कराया। इस अवसर पर कटरा विधानसभा प्रभारी ज्योति पांडे, मंडल अध्यक्ष आनंद राम शुक्ला, रूपईडीह मंडल अध्यक्ष रमाकांत मिश्रा, हरीश शुक्ला, राम कुमार दुबे, नवनाथ शुक्ला, पप्पू शुक्ला, रिकू प्रधान, राजू वर्मा अशर्फीलाल पांडे ,उत्तम चंद प्रधान, राकेश वर्मा, बब्बू, घनश्याम मिश्रा, सांवली प्रसाद तिवारी, छोटे तिवारी सच्चिदानंद शुक्ला, जेई उपेंद्र कुमार सिंह, दिनेश शुक्ला, मोहन प्रकाश सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सघन मिशन इंद्रधनुष का नगरवासी लाभ उठाये–डॉ धीरेंद्र प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। खसरा और रूबेला जैसे संक्रामक बीमारियों से

आम जनमानस को बचाने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है इसके लिए सरकार निरंतर प्रयास कर हैरही है सरकार द्वारा सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान का आयोजन दिनांक ७ से १३ अगस्त और ११ से १६ सितम्बर और ६ से १४ अक्टूबर किया जायेगा। आर्दश नगर पालिका चेयरमैन बलरामपुर डॉ.धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने समस्त नगरवासियों से इस अभियान का लाभ उठाने की अपील की है और कहा कि इस टीकाकरण अभियान के अंतर्गत ५ वर्ष की आयु तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं को खुराक दिया जायेगा जो पूर्व मे चलाये गये टीकाकरण अभियान से वंचित रहे है वो भी इस अभियान का लाभ उठा सकते है उन्होने कहा कि सभी अभिवावक अपने बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाये और इस अभियान को सफल बनाये साथ ही पोलियो की तरह इस बीमारी से भी देश से मुक्त कराने में सरकार का सहयोग करे।

अवैध खनन की शिकायत पर डीएम ने कराई जांच

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। शुक्रवार को जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर राजस्व ग्राम परसापुर, नबाबगंज तहसील तरबगंज जनपद गोण्डा में अवैध बालू भण्डारण की सूचना होने पर राजस्व व पुलिस टीम के द्वारा तहसीलदार तरबगंज की उपस्थिति में स्थलीय व अभिलेखीय निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि ग्राम परसापुर स्थित गाटा संख्या–1374/4.011 हे० जो राजस्व अभिलेखों में सहखातेदारी के नाम में संक्रमणीय भूमि दर्ज है, के क्षेत्रफल लगभग 4400 वर्गमी पर औसतन 2) मी० ऊंचाई तक साधारण बालू का भण्डारन पाया गया। स्थलीय जांच के समय कोई भी व्यक्ति प्रश्नगत भण्डारित साधारण बालू के सम्बन्ध में न तो कोई दावा करने आया और न ही किसी व्यक्ति के द्वारा भण्डारण में सक्षम स्तर से कोई अनुमति प्राप्त करते का साक्ष्य उपलब्ध कराया गया। उक्त स्थल पर भण्डारित साधारण बालू को सक्षम स्तर से कोई अग्रिम आदेश प्राप्त होने तक थाना नबाबगंज की पुलिस अभिरक्षा में दिया गया तथा अवगत कराया गया कि भण्डारित साधारण बालू की 24 घंटे निगरानी कराते हुए सुरक्षा कराया जाना सुनिश्चित करें।

बौधरा बाबा स्थान पर लगाए गए पौधे का डीएफओ ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। मेहदावल ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत हरपुर क्षेत्र के बौधरा बाबा स्थान पर संतकबीरनगर जनपद के प्रभारी मंत्री विजयालक्ष्मी गौतम द्वारा पहुंचकर किया गया वृक्षारोपण प्रभारी मंत्री द्वारा यह भी कहा गया था कि वृक्षारोपण के बाद पौधे की रखरखाव जरूरी है। कुल 2900 पौधे लगाए गए थे। 4 दिन बीत जाने के बाद सभी पौधे सूख गए। खबर प्रकाशित होने के बाद मची हड़कंप। मौके पर तत्काल वीडियो सचिव से लेकर वन विभाग के अधिकारी पर पहुंचकर निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान पाए गए कमियों को दूर करने के लिए वन विभाग के अधिकारी और ब्लॉक के अधिकारियों व ग्राम प्रधान को सुरक्षा पौधे की सुरक्षा को लेकर रखरखाव जरूरी है। इसी दौरान प्रभागीय वनाधिकारी प्रभा कांत पांडे वन क्षेत्राधिकारी सूर्यभान यादव, रामस्वरूप, हरपुर प्रधान प्रतिनिधि गुनाई गुप्ता, सुभाष गुप्ता, ग्राम विकास अधिकारी अभिनव रवि वस्त मिश्रा, खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार मौर्य, निरीक्षण के दौरान आदि लोग मौजूद रहे।

- प्रभारी मंत्री विजयालक्ष्मी गौतम द्वारा किया गया था वृक्षारोपण
- 2900 पौधे लगाए गए थे, सूर्यभान यादव

डुमरियागंज बीईओ के निरीक्षण मे कई शिक्षक मिले अनुपस्थित, माँगा गया स्पष्टीकरण

छात्रों की कम उपस्थित पर प्रधानाध्यापको को लगाई फटकार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज खंड शिक्षा अधिकारी डुमरियागंज ने शुक्रवार को ब्लाक क्षेत्र के कई परिषदीय स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिसमें दो शिक्षक बिना किसी सूचना या छुट्टी के अनुपस्थि मिले जिन्हे पत्र जारी कर तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं विद्यालयों में छात्रों की कम उपस्थित पर नाराजगी भी जाहिर करते हुए नामांकन पर जोर देने की बात कही। जानकारी के मुताबिक बीईओ संजय कुमार कम्पोजिट विद्यालय औसाँकुइया पहुंचे तो वहाँ तैनात दो शिक्षक अरुण कुमार व अनिल कुमार बिना किसी छुट्टी के अनुपस्थित मिले। मध्यान्ह भोजन बनता मिला। 154 के सापेक्ष

103 बच्चे उपस्थित मिले। पूर्व मा वि कुसुम्ही मे शिक्षक तो सब मिले छात्रों की उपस्थित बहुत कम रही। 65 नामांकन के सापेक्ष 14 बच्चे ही उपस्थित रहे। जिस पर प्रधानाध्यापक को उपस्थित बढ़ाने के अभिभावको से प्रतिदिन सम्पर्क करने का निर्देश् दिया। प्राथमिक विद्यालय बदरपुर में सभी शिक्षक उपस्थित मिले, मध्यान्ह भोजन बन रहा था। कन्या कम्पोजिट विद्यालय डुमरियागंज में एक अनुदेशक् छुट्टी पर मिले। 319 नामांकन के सापेक्ष मात्र 116 बच्चे कक्षाओ मे मिले। स्मार्ट क्लास अब तक संचालित न होने की जानकारी बच्चों से मिलने पर प्रधानाध्यापक व विज्ञान शिक्षक पर बिफर पड़े और तत्काल संचालन का निर्देश दिया। कुल नियुक्त 12 शिक्षक व अनुदेशकों मे मात्र 2 शिक्षकों की शिक्षक डायरी पूर्ण मिली। जिस पर बीईओ सभी के पेंच कसते हुए बच्चों का शैक्षिक अधिगम का स्तर बढ़ाने पर जोर देने का निर्देश दिया। शौचालय में पानी व मूत्रालय में गंदगी देख कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। बच्चों की उपस्थित कम देख प्रधानाध्यापक कमल मोहनी को शिक्षक अभिभावक बैठक में न आने वाले बच्चो के अभिभावको से मोबाइल के सहायता से सम्पर्क स्थापित कर पाल्यो को भेजने की अपील करने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद बीईओ ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में निरीक्षण का क्रम आगे भी जारी रहेगा।

नेहरू युवा केन्द्र की टीम का सघन मिशन इन्द्रधनुष के लिये किया गया अभिमुखीकरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को यूनिसेफ एवं डब्ल्यूएचओ की टीम द्वारा नेहरू युवा केन्द्र की टीम का सघन मिशन इन्द्रधनुष के लिये अभिमुखीकरण किया गया। जिसमें डीएमसी अमित शर्मा द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को 12 जानलेवा बीमारी और इनसे बचाव के विषय में जानकारी दी एवं यूनिवर्सल टीकाकरण शेड्यूल पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही साथ टीकाकरण के प्रति उदासीन परिवारों को किस प्रकार लामबन्द किया जायें इस विषय में जानकारी देते हुये टीम को सदन मिशन इन्द्रधनुष कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर

भागीदारी करने के लिये प्रोत्साहित किया गया। वहीं ए स ए म अा` डब्ल्यूएचओ डा0 भरत दूबे द्वारा मीजल्स रूबेला बीमारी के प्रभाव इसकी रोकथाम एवं टीकाकरण के विषय में जानकारी दी गयी। जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव जी द्वारा नेहरू युवा केन्द्र की टीम को एक जूट होकर उन गांव मे सहयोग करने के लिये टीम को प्रेरित किया, जहां टीकाकरण के प्रति उदासीन परिवार अधिक है। इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र टीम के यूथ, आकांक्षा, विजय श्री, धीरज पाण्डेय ,रुपेश मिश्रा, मनीष, ओंकार, बीएमसी यूनिसेफ अयाज अहमद आदि लोग उपस्थिति रहें।

शिव महापुराण में निकाली गई भगवान शिव की झांकी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका,सिद्धार्थनगर। प्राचीन

शिव मंदिर रेहरा बाजार में हो रहे शिव महापुराण के चौथे दिन बड़े ही झूमझाम से निकाली गई भगवान शिव की झांकी इस कथा में शिव विवाह की चर्चा की गई इस महाशिव पुराण झांकी में सागर मोर नृत्य की टीम द्वारा बहुत अच्छा किरदार निभाया। कथा वाचक आचार्य ब्रह्मा नन्द जी ने भगवान शिव व माता पार्वती के विवाह की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति भगवान शिव व पार्वती के विवाह की कथा कहता है या श्रावण करता है उसका सर्वदा मंगल होता है। कथा में शिव पार्वती जी की भव्य झांकी ने सभी का मन मोह लिया। कथा को आगे बढ़ाते हुए कथा वाचक ने कहा कि भगवान शिव का विवाह पर्वतराज हिमांचल व मैना की पुत्री पार्वती से हुआ था। विवाह में अद्भुत बरती गए थे। देव, गन्धर्व, नाग, पिशाच सभी बाराती बनकर गए थे। भगवान शिवजी का भीषण रूप जब स्त्रियों ने देखा तो तमाम महिलायें भागने लगीं। मैना बेहोश हो गई। घर में जाकर अपनी पुत्री को गोद में लेकर निर्णय लिया कि कुछ भी हो परन्तु इस दूल्हे के साथ अपनी कन्या का कन्यादान कभी नहीं होने दूंगी। मेरी इतनी सुन्दर पुत्री का ऐसा दुल्हा जो फल कल्पवृक्ष में लगना चाहिये वह क्या बबूल में लगेगा मैना विधाता को दोष देने लगीं। देवताओं ने शिवजी से कहा–महाराज, आपके गले में सांप देख करके आपकी सास बेसुध हो गई हैं। कम से कम शादी पूरी होने तक तो इन्हें निकाल दो शिवजी ने कहा–मुझे महारानी पर दया आती है। मेरे गले में सर्प देख कर तो उसे खुश होना चाहिये। मैं काल को गले में लटका कर आया हूं। अतः इनकी बेटी का सुहाग अखण्ड हो गया। मेरी सास को क्या ऐसा दामाद चाहिए जो उसकी बेटी के सुहाग का नाश करे मेरे वेष में कोई परिवर्तन नहीं होगा। बाद में तो नारदजी और सप्तर्षि आते हैं। हिमाचल के भवन में जाकर मैना और हिमाचल को समझाते हैं, कि यह पार्वती आपकी पुत्री नहीं है, यह तो जगत की माता हैं और यह शिवजी तो अखण्डानन्द ब्रह्म हैं, जगत के पिता हैं। इतनी स्पष्टता के बाद हिमाचल और मैना की .ष्टि खुली। तब जाकर शिव पार्वती का विवाह संपन्न हुआ।

अबैध रूप से चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटर को किया सील

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका,सिद्धार्थनगर। स्थानीय नगर तेतरी तिराहे (रेलवे स्टेशनरोड) पर अबैध रूप से चल

रहे सिंह अल्ट्रासाउंड सेण्टर पर शुक्रवार को एसडीएम डॉक्टर ललित मिश्र और डिप्टी सीएमओ डॉक्टर एम एम त्रिपाठी की संयुक्त टीम ने पहुंचकर अल्ट्रा साउण्ड सेण्टर के जरूरी कागजात न मिलने पर अल्ट्रासाउंड सेंटर को सील कर दिया। गौरतलब है कि गत एक पखवारे से जनपद भर में निजी अस्पतालों, अल्ट्रासाउंड सेंटरों और पैथालॉजी के विरुद्ध मिल रही लगातार शिकायत के बाद प्रशासन और विभाग पूरी तरह से इनकी बैधता जाँच के लिए सक्रिय हो गया है और लगातार अबैध रूप से संचालित प्राइवेट अस्पतालों,अल्ट्रा साउण्ड सेंटरों और मेडिकल स्टोर्स पर छापेमारी कर रहा है। इस कड़ी में शिकायत मिलने के बाद उसका बाजार के तेतरी तिराहा (ससनी) स्थित उक्त अल्ट्रा साउण्ड सेंटर पर एसडीएम और डिप्टी सीएमओ मय दल बल पहुँच कर अल्ट्रा साउंड सेंटर से सम्बंधित कागजात की जाँच पड़ताल किया और खामियां मिलने के बाद सेंटर को सील कर दिया। इस सिलसिले में डिप्टी सीएमओ डॉक्टर एम एम त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि छापेमारी के दौरान अल्ट्रासाउंड चालू पाई गई। लेकिन डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे। जब कि सेंटर की प्रबंधक पूनम ने बताया कि डॉक्टर अल्ट्रासाउंड करके जा चुके हैं। बरहाल बुलाने के बाद सम्बंधित चिकित्सक उपस्थित भी हुए। उन्होंने बताया कि डॉक्टर कभी कभी आते हैं। डिप्टी सीएमओ ने बताया कि डॉक्टर को नोटिस जारी कर विधिक कार्यवाही की जायेगी। सिंह अल्ट्रासाउंड के बगल में चल रहे भारत मेडिकल स्टोर की भी जांच की गई भारत स्टोर से कुछ खास तथ्य नहीं मिला नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। इस मौके पर एसडीएम ललित मिश्रा, डिप्टी सीएमओ डॉक्टर एम एम त्रिपाठी, चिकित्सक अधीक्षक एसके पटेल के साथ स्थानीय पुलिस भी मौजूद रही।

शक्ति दीदी अभियान के क्रम में सोहना विद्यालय में किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर अभिषेक कुमार

अग्रवाल के आदेश पर चलाये जा रहे अभियान शक्ति दीदी के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सिद्धार्थ के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज सिद्धार्थनगर सुजीत कुमार राय के कुशल पर्यवेक्षण में एवं थाना प्रभारी त्रिलोकपुर सिद्धार्थनगर सूर्य प्रकाश सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को महिला आरक्षी सुजाता राव एवं महिला आरक्षी प्रीती द्वारा सोहना विद्यालय में महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराधों से रोकथाम हेतु सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं व हेल्पलाइन नंबरों यू0पी0 112, 1090, 1076,1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन नं0 1930 आदि के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये सड़क सुरक्षा, साइबर क्राइम, सोशल मीडिया से सम्बन्धित जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान शक्ति दीदी पुलिस टीम में महिला कांस्टेबल सुजाता राव एवं महिला कांस्टेबल प्रीती मौजूद रहीं।

आंगनबाड़ी केन्द्र पर पेयजल स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन नमामि गंगे तथा ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन के तत्वाधान

में जनपद सिद्धार्थनगर विकास खण्ड डुमरियागंज की समस्त ग्राम पंचायतो मे संस्था मेसर्ष फाल्कन महाराष्ट्र के द्वारा शुक्रवार ग्राम पंचायत थूम्हुवा के आंगनबाड़ी केन्द्र पर पेयजल स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, आंगनबाड़ी कार्यकत्री पंचायत सहायक एवं ग्रामसभा के अन्य सदस्य उपस्थित रहें। प्रशिक्षक वैशाली यादव ने गन्दगी से होने वाली बीमारियों के बारे में महिलाओ को संक्षिप्त में जानकारी दी और बताया कि किस तरह से गन्दगी हमारे घर तक आकर हमें बीमार बनाती है और उनके खानपान के बारे में भी बताया।

रिहायशी इलाके से औद्योगिक इकाई को हटाने का निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी प्रखर कुमार ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिया है कि सदर ब्लाक रोड न्यू कालोनी बैरियहवां में संचालित आटा चक्की को एवं औद्योगिक इकाई को प्रतिबंधित कर उसे हटवाया जाय। सदर ब्लाक रोड न्यू कालोनी बैरियहवां निवासी हरिश्चन्द्र ने इस सम्बन्ध में उच्चाधिकारियों एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से आग्रह किया था कि उनके मकान से सटे जगदीश मद्धेशिया पुत्र ओम प्रकाश द्वारा आटा चक्की, गेहूं साफ करने की मशीन का संचालन किया जाता है। इसके शोर और प्रदूषण से आस पास के लोग परेशान हैं। मांग किया था कि इस उद्योग को रिहायशी क्षेत्र से हटाया जाय।

विधायक ने फीता काटकर बखिरा नगर पंचायत कार्यालय का किया उद्घाटन

चेयरमैन ,सभासद अधिशासी अधिकारी संदीप कुमार सरोज रहे मौजूद

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। नगर पंचायत बाघ नगर उर्फ बखिरा का जहां बृहस्पतिवार को मेहदावल विधानसभा के विधायक अनिल त्रिपाठी ने नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन फीता काटकर किया, बूंदीपार परतिया स्थित कार्यालय अब स्थाई रूप से बन चुका है सनद रहे कि अस्थाई तौर पर बखीरा पंचायत भवन को कार्यालय के रूप में उपयोग किया जा रहा था उद्घाटन के अवसर पर अधिशासी अधिकारी, चेयरमैन और सभासद को आगाह करते हुए विधायक अनिल त्रिपाठी ने कहा कि जनता की शिकायत हमारे पास नहीं आनी चाहिए अगर

शिकायत आया तो दोषी आप होंगे , मैंने भी कहा कि मैं लाखों जनता का जवाबदेही हूं मैं भी शिकायत का मौका नहीं देता हूं।सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनाएं सरकार चल रही है जिसका लाभ सीधे जनता को मिल रहा है। चेयरमैन मोहम्मद आमिर हुसैन ने कहा कि किसी को किसी प्रकार की समस्या नहीं होने देंगे नगर पंचायत बखिरा का बेहतर विकास करेंगे धन की कमी नहीं है। इस मौके पर सभासद राजेश गुप्ता धर्मेंद्र उर्फ काका एवं सभी वार्डों के सभासद और भारी संख्या में जनता अधिशासी अधिकारी संदीप कुमार सरोज, नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद आमिर, आवरअभियंता सुरेश कुमार, हरिओम पाठक, अमित मिश्रा, आदर्श मिश्रा ,चंद्रप्रकाश, धनंजय मणि, मनीष सिंह, गौरव कुमार, सुमित रावत।

ब्लाक संसाधन केन्द्र परसा में दिवायांग बच्चो के अभिभावकों की पूर्व निर्धारित काउंसलिंग का किया आयोजन

.बीईओ ने शिक्षा व्यवस्था के बारे में लोगों को जागरूक किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ब्लाक संसाधन केन्द्र परसा में दिवायांग बच्चो के अभिभावकों की पूर्व निर्धारित काउंसलिंग का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में बीईओ परसा रामू प्रसाद ने आये हुये सभी अभिभावकों का स्वागत किया और सभी दिवायांग बच्चो की शिक्षा, समर्थ एप से सुपरविजन, स्क्रीनिंग को बताया एवं शासन द्वारा किये जा रहे दिवायांग बच्चों के लिये विभिन्न चलाये जा रहे विभिन्न प्रकार के स्टाइपेंड किट एवं मेडिकल टीम द्वारा प्रमाण पत्र और स्पेशल एजुकेटर के द्वारा घर पर शिक्षा की व्यवस्था के बारे में बताया। उक्त काउंसलिंग के कार्यक्रम में ब्लाक में कार्यरत स्पेशल एजुकेटर इंद्रजीत, बाबूलाल गौड़ और वीरेन्द्र उपाध्याय और विभाग में कार्यरत शिक्षिका निर्मला गुप्ता, शिक्षक जलाल अख्तर, एमआईएस रवि श्रीवास्तव, हरि.ष्ण, रामसहाय दूबे आदि मौजूद रहें।

जावेद अहमद को मिली पीएचडी की उपाधि, लोगों ने जताया खुशी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र शोहरतगढ़ के बर्डपुर विकास खण्ड अन्तर्गत ग्राम बरगदवा बजहा बाजार निवासी जावेद अहमद पुत्र मंसूर अली को पीएचडी की उपाधि मिलने पर लोगों ने खुशी का इजहार किया है। जावेद ने मध्य प्रदेश के सागर स्थित हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय से डाक्टर आफ फिलासफी की डिग्री को हासिल किया। उन्होंने हाईस्कूल की परीक्षा क्षेत्र के शहीद–ए–आजम भगत सिंह इण्टर कालेज बजहा बाजार और इन्टरमीडिएट की परीक्षा शिवपति इन्टर कालेज शोहरतगढ़ से हासिल किया, जबकि स्नातक बीएससी बायो की परीक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय और एमएससी जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली से किया। पीएचडी शोध का कार्य जावेद ने पर्यवेक्षक प्राणिशास्त्र विभाग के डा0 सुबोध कुमार की देख–रेख में पूरा किया। पीएचडी की उपाधि मिलने पर निसार अहमद, सरफराज अहमद, जहूर खान, मंसूर अली, नीलम चौधरी, निधि गुप्ता, फिरोज खान, किरण सिंह, सरताज आलम, मुश्तन शेरुल्लाह, सगीर खाकसार आदि लोगों ने डा0 जावेद अहमद को बधाई दिया। डा0 जावेद ने कहा कि वे कैंसर बीमारी के बेहतर इलाज के लिये बीमारी से सम्बन्धत अन्य रिसर्च कार्य में अपने सहयोगियों के साथ योगदान देने का प्रयास करूंगा।

सम्पादकीय

दोनों सदनों में विपक्ष को हराएगी सरकार

वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगन मोहन रेड्डी ने अपने नौ सांसदों का समर्थन सरकार को दे दिया है। सो, सरकार के पक्ष में 123 का आंकड़ा बनता है, जो बहुमत से ज्यादा है। इसके अलावा मायावती का एकमात्र सांसद इस बिल पर बहस और वोटिंग में हिस्सा नहीं लेगा। विपक्ष के कुछ सांसद बीमार हैं, जिनको किसी तरह से सदन में लाने ...

संसद में मानसून सत्र में दोनों सदनों में नरेंद्र मोदी सरकार और विपक्षी गठबंधन इंडिया के बीच शक्ति परीक्षण की तैयारी है और दोनों सदनों में विपक्ष को हराएगी सरकार। यह स्थिति खुद विपक्षी पार्टियों ने बनाई है, जिससे उनको कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है। फिर भी यह संसदीय प्रक्रिया है, जिसके तहत लोकसभा में विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है, जिस पर इस हफ्ते चर्चा होगी। फिर प्रधानमंत्री जवाब देंगे और तब उस पर वोटिंग होगी। दूसरी ओर राज्यसभा में इसी हफ्ते दिल्ली का सेवा बिल पेश होगा। लोकसभा से पास होने के बाद इसे उच्च सदन में रखा जाएगा, जहां विपक्षी गठबंधन ने सरकार के साथ शक्ति परीक्षण की तैयारी की हुई है। पहले अविश्वास प्रस्ताव पर बात करें तो सबको पता है कि उसमें क्या होना है। लोकसभा में सरकार के पास प्रचंड बहुमत है। मोदी सरकार को अपना बहुमत साबित करने के लिए किसी दूसरी पार्टी की भी जरूरत नहीं है। लोकसभा की पांच सीटें खाली हैं इसलिए बहुमत का आंकड़ा 270 सीट का है, जबकि भाजपा के अपने सांसदों की संख्या 301 है। उसकी सहयोगी पार्टियों की संख्या में इसमें जोड़ दी जाए तो आंकड़ा 331 तक पहुंच जाता है। सो, विपक्ष को अगर कुछ हासिल होना है तो वह बहस से होगा, आंकड़ों में तो कोई मुकाबला नहीं है। इसके बाद दिल्ली का सेवा बिल राज्यसभा में पेश होगा। इसके लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेत अरविंद केजरीवाल ने बड़ी मेहनत की है। उन्होंने पूरे देश का दौरा किया और सभी विपक्षी पार्टियों को एकजुट किया। संसद सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस ने भी इस मसले पर आम आदमी पार्टी का साथ देने का फैसला किया यानी वह भी विधेयक का विरोध करेगी। इसके बावजूद विपक्ष का आंकड़ा इतना नहीं बनता है कि वह सरकार को विधेयक पास कराने से रोक सके। राज्यसभा में भाजपा के अपने सदस्यों की संख्या 92 है। उसकी सहयोगी पार्टियों मनोनीत सांसदों को मिला कर एनडीए के कुल सदस्यों की संख्या 113 हो जाती है। वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगन मोहन रेड्डी ने अपने नौ सांसदों का समर्थन सरकार को दे दिया है। सो, सरकार के पक्ष में 123 का आंकड़ा बनता है, जो बहुमत से ज्यादा है। इसके अलावा मायावती का एकमात्र सांसद इस बिल पर बहस और वोटिंग में हिस्सा नहीं लेगा। विपक्ष के कुछ सांसद बीमार हैं, जिनको किसी तरह से सदन में लाने का प्रयास हो रहा है। जदयू ने अपने सांसद और राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश के लिए भी व्हिप जारी कर दिया है। इसके बावजूद संभावना है कि वे वोटिंग में हिस्सा नहीं लेंगे। कुछ और विपक्षी सांसद गैरहाजिर होंगे। सो, विपक्ष का आंकड़ा 110 तक पहुंचना भी मुश्किल है। सरकार बड़े आराम से इस विधेयक को पास कराएगी और साल के अंत में होने वाले चुनावों से पहले विपक्ष को दोनों सदनों में शिकस्त देगी।

सर्वाधिक शक्तिशाली ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग है

प्रकृति में पवित्र श्रावण मास में चारों तरफ हर हर महादेव है। ज्योतिर्लिंगों के दर्शनार्थ भक्त जन का सैलाब मंदिरों में उमड़ पड़ा है। ज्योतिर्लिंग का अभिप्राय चमकदार किरण है जो तेजमय प्रकाश यानी की किरण उत्सर्जित करती है। भारतीय सनातन परम्परा में कुल 64 ज्योतिर्लिंग हैं, किंतु इनमें से 12 अत्यंत प्रसिद्ध हैं। इन्हीं 12 ज्योतिर्लिंगों का जगत गुरु आदि शंकराचार्य ने छठीं शताब्दी ईसा पूर्व जीर्णोद्धार करवाया । भारतीय सनातनी इतिहास में आदि शंकराचार्य का यह प्रथम प्रयास था जब हिंदू धर्म को शिव भक्ति ने आत्मार्पित किया था। भारतीय सनातनी परंपरा में भगवान शिव के अनंत रूप में हैं। सनातनी संस्ति में यह जो बात प्रचलित है कि प्रत्येक पत्थर में देवता का वास होता है असल में प्रत्येक पत्थर में शिव जी का वास ही है। दुनिया शिव मय है। भगवान शिव ने पहली बार हिंदू कैलेंडर के फाल्गुन/माघ माह के चौदहवें दिन लिंग रूप धारण किया था। इसलिए इस दिन को महा शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। 12 ज्योतिर्लिंग स्वयं भू है। अर्थात वे स्वयं उत्पन्न हुए हैं। बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की महिमा का बखान करें तो महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मुख्य मंदिर में जमीन के नीचे स्थित है। दक्षिण की ओर मुख किए हुए , महाकालेश्वर की मूर्ति दक्षिणामूर्ति के रूप में जानी जाती है। यह तांत्रिक परंपराओं द्वारा समर्थित एक अनूठी विशेषता है जोकि सिर्फ और सिर्फ महाकालेश्वर में पाई जाती है। आस्था, विश्वास और हिंदू मान्यता के अनुसार भगवान शिव का सर्वाधिक शक्तिशाली ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ही है। केवल दर्शन के समय ही लिंग का दर्शन किया जा सकता है। स्पर्श नहीं किया जा सकता है। किंतु लिंग के दर्शन मात्र से असीम ऊर्जा की अनुभूति होती है।भस्म आरती महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का एक अन्य आकर्षण है। महाकालेश्वर महादेव की जय। हर हर महादेव।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

म्यांमार: बेरहम सैनिक और बदनसीब लोग

यद्यपि एक निर्वासित सरकार द नेशनल यूनिटी गर्वमेन्ट अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने का प्रयास कर रही है लेकिन उसे अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। नेशनल यूनिटी गर्वमेन्ट के एक प्रवक्ता ने फोन लेट ने कहा कि आपातकालीन शासन की अवधि बढ़ाए जाने की आशंका पहले से ही थी क्योंकि सैन्य शासन लोकतंत्र समर्थक शक्तियों को नेस्तोनाबूत करने में सफल नहीं हो सका है। उन्होंने कहा...

श्रुति व्यास

सन् 2021से म्यांमार की जनता का सुख–चौन छिना हुआ है। सैनिक तानाशाह जनरल मिन आंग हलैंग और उनका गिरोह जनता द्वारा चुनी गई आंग सान सू की नागरिक सरकार को हटाकर सत्ता पर हथियाई हुई है। सेना ने नेताओं और विपक्षी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर जेलों में डाला हुआ है। मीडिया पर बंदिशें लगाईं है। आपातकाल की घोषणा करकेश्स्वतंत्र एवं निष्पक्ष्य चुनावों की घोषणा की हुई है। लेकिन ढ़ाई साल बाद फिर घोषणा है कि आपातकाल जारी रहेगा, लिहाजा श्जिन चुनावों का वायदा किया गया थाय वे स्थगित रहेंगे। सेना द्वारा बनाया गया सन् 2008 का संविधान सेना को एक साल तक आपातकाल लागू कर एक साल तक शासन करने का अधिकार देता है और यदि चुनाव की तैयारी न हो पाए तो इस अवधि को छह–छह महीने के टुकड़ों में दो बार बढ़ाया जा सकता है, जिसका अर्थ है कि यह समय सीमा इस साल 31 जनवरी को खघ्त्म हो गई। लेकिन नेशनल डिफेन्स एंड सिक्यूरिटी कौंसिल (एनडीएससी) ने फरवरी में यह कहते हुए सेना को ठह माह के लिए आपातकाल बढ़ाने की इजाजत दी थी कि देश के हालात सामान्य नहीं हैं। इस तरह म्यांमारमें आपाताकाल की अवधि सोमवार को चौथी बार बढ़ाई गई। सैन्य सरकार का मानना है कि देश में अभी चुनाव करवाने लायक स्थिति नहीं है क्योंकि आपाताकाल के जरिए जो लक्ष्य हासिल किए गए जाने था वे अभी तक हासिल नहीं हुए हैं।जाहिर है आपातकाल की अवधि बढाई जाती रहेगी। सैन्य शासन जारी रहेगा, जनता और सेना का टकराव चलता रहेगा और म्यांमार गृहयुद्ध की ओर बढ़ता रहेगा। जनरल मिन आंग हलैंग के पास म्यांमार में उथल–पुथल और युद्ध जारी रखने के पर्याप्त साधन और साथी हैं। ब्रिटेन, अमरीका और यूरोपीय देशों द्वारा सैनिक अफसरों के गिरोह पर लगाए गए प्रतिबंधों का प्रभाव चीन, रूस और भारत के कारण कम हो गया है। सैन्य शासन के खिलाफ होने के बावजूद आसियान देशों में भी मतभेद हैं जिससे वे भी खघस असर नहीं डाल पा रहे हैं। चीन और रूस जनरल के अच्छे मित्र हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ का अनुमान है कि चीन ने तख्तापलट के बाद से सैन्य सरकार को 25.4 करोड़ डालर के हथियार दिए हैं। रूस द्वारा बेचे गए 40 करोड़ डालर के हथियारों में हेलिकाप्टर गनशिप्स भी हैं, जिनका उपयोग पाजीग्यी गांव के निवासियों को मारने के लिए किया गया था। ये दोनों देश संयुक्त राष्ट्रसंघ में सैन्य सरकार को अंतर्राष्ट्रीय कार्यवाही से बचाने का काम करते हैं। आज तक देश में 3,857 लोग मारे जा चुके हैं, हजारों लोगों दमन का शिकार हुए हैं, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया है और अनगिनत कानूनों का उल्लंघन हुआ है। अनुमान है कि 13.8 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। यह संख्या लाखों रोहिंग्या शरणार्थियों के अलावा है। म्यांमार की सबसे प्रसिद्ध महिला राजनीतिज्ञ, नोबल पुरस्कार विजेता, पूर्व प्रधानमंत्री, 78 वर्षीय आंग सांग सू की को जेल में डाल दिया गया है। वे 33 साल की सजा काट रही हैं और कुछ दिन पहले ही उन्हें जेल से हटाकर घर में कैद कर दिया गया है। किसी को नही पता कि वे किस हाल में हैं, कहां हैं या उनको सजा सुनाए जाने के पहले चले मुकदमे की सुनवाई में क्या हुआ था। यद्यपि एक निर्वासित सरकार दृ द नेशनल यूनिटी गर्वमेन्ट दृ अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने का प्रयास कर रही है लेकिन उसे अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। नेशनल यूनिटी गर्वमेन्ट के एक प्रवक्ता ने फोन लेट ने कहा कि आपातकालीन शासन की अवधि बढ़ाए जाने की आशंका पहले से ही थी क्योंकि सैन्य शासन लोकतंत्र समर्थक शक्तियों को नेस्तोनाबूत करने में सफल नहीं हो सका है। उन्होंने कहा, ष्सैन्य अधिकारियों ने आपातकाल की अवधि को इसलिए बढ़ाया क्योंकि जनरलों को सत्ता की हवस है और वे उसे खोना नहीं चाहते। जहां तक क्रांतिकारी समूहों का सवाल है, हम अपनी क्रांतिकारी गतिविधियां तेज करने का प्रयास कर रहे हैंष्। दुनिया इस सब से बेफिक्र है। उसका पूरा ध्यान यूक्रेन पर है, और उसके बाद ताईवान पर, जिसे चीन का प्रतिरोध करने के लिए सैनिक मदद दी जा रही है। दूसरी ओर म्यांमार है, जिसे उसे सैन्य शासन के रहमोकरम पर छोड़ दिया गया है। उसका राज दो साल से जारी है। और जनता को कोई राहत नहीं मिल रही है।

अभी मसौदा नहीं आया है इसलिए पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि इसमें आदिवासियों के लिए क्या प्रावधान हैं लेकिन उससे पहले यह आशंका जाहिर की गई कि समान नागरिक कानून से आदिवासियों का विशेष दर्जा समाप्त हो जाएगा और उनकी जमीन लेने का रास्ता साफ हो जाएगा। यह आशंका जताई जा रही है कि आदिवासी संस्कृति पर तो असर होगा कि साथ ही उनकी जमीन का...

समान कानून पर थम गई चर्चा

अजीत द्विवेदी

राष्ट्रीय विधि आयोग को समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी पर 80 लाख से एक करोड़ के बीच सुझाव मिले हैं। आयोग ने 14 जून को लोगों से अपील की थी कि वे बताएं कि देश में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए या नहीं। अगर होनी चाहिए तो क्यों और नहीं होनी चाहिए तो उसके पीछे क्या तर्क है। पहले एक महीने का समय दिया गया था लेकिन बाद में इसे दो हफ्ते और बढ़ा दिया गया। इस बीच 27 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में भाजपा के चुनाव अभियान का आगाज करते हुए समान नागरिक संहिता पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, श्यूनिफॉर्म सिविल कोड के नाम पर लोगों को भड़काया जा रहा है। एक घर दो कानून से घर नहीं चल पाएगा। भारत के संविधान में भी नागरिक के समान अधिकार की बात की गई हैच। प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद पूरे देश में समान कानून पर चर्चा शुरू हो गई। चारों तरफ इस पर सम्मेलन और सेमिनार होने लगे। संसदीय समिति की बैठक भी हुई और तमाम सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने अपनी राय विधि आयोग को भेजी। तब ऐसा लग रहा था कि सरकार संसद के मानसून सत्र में इस बिल को पेश कर सकती है। हालांकि उस समय तक विधि आयोग का काम पूरा नहीं हुआ था और न उसने कोई सिफारिश की थी। यहां तक कि सरकार ने बिल का मसौदा भी तैयार नहीं किया था। लेकिन तब सूत्रों के हवाले से मीडिया में ऐसी खबर आई थी कि उत्तराखंड सरकार की ओर से तैयार कराए जा रहे बिल के मसौदे को ही भारत सरकार भी अपना सकती है। उत्तराखंड सरकार के लिए समान नागरिक संहिता का मसौदा सुप्रीम कोर्ट की रिटायर जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली कमेटी कर रही है। पिछले महीने इस कमेटी के सदस्यों ने विधि आयोग से भी मुलाकात की थी। तब कहा गया था कि 15 जुलाई तक जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कमेटी अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप देगी। हैरानी की बात है कि अब जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कमेटी की ओर से बनाए जा रहे मसौदे की भी कोई चर्चा नहीं हो रही है। कमेटी ने अभी तक रिपोर्ट राज्य सरकार को नहीं सौंपी। सो, रेफरेंस के लिए भी किसी के पास कोई मसौदा नहीं है। विधि आयोग को जो एक करोड़ सुझाव मिले हैं उनकी छंटनी और विषय के हिसाब से ब्योरेवार उनको व्यवस्थित करना लंबा और समय खाने वाला काम है। इसी तरह 27 जून के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार भी समान नागरिक संहिता के बारे में कोई बयान नहीं दिया है। कोई और मंत्री या भाजपा का नेता भी इस बारे में नहीं बोल रहा है और इस पर होने वाले सेमिनार, सम्मेलन आदि भी अचानक बंद हो गए हैं। सवाल है कि ऐसा क्यों हुआ है? क्या इस कानून को लागू करने के रास्ते में आने वाली बाधाओं या विरोधाभासों की वजह इसको स्थगित कर दिया गया है या सरकार की कोई मंशा थी, जो इतनी चर्चा से ही पूरी हो गई है और उसके बाद उसे स्थगित कर दिया गया है? असल में समान नागरिक संहिता के बारे में यह आम धारणा है कि इसका सबसे ज्यादा विरोध मुस्लिम समुदाय करेगा। आजादी के बाद से भारतीय जनसंघ और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने और 1980 के बाद से भाजपा ने यह धारणा बनाई है कि कांग्रेस की सरकारों ने अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण करने के लिए इसे लागू नहीं किया, जबकि संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में इसको शामिल किया गया है। लेकिन हकीकत इस प्रचारित धारणा से अलग है। यह बात पहली बार कानून व न्याय मामले की संसदीय समिति की राय से जाहिर हुई। भाजपा सांसद सुशील मोदी की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने तीन जुलाई को अपनी बैठक के बाद कहा कि देश के आदिवासियों को समान नागरिक संहिता से रियायत मिलनी चाहिए। यानी उनको इसके दायरे से बाहर रखना चाहिए। अब सोचें, जब यह धारणा बनाई गई है कि मुस्लिम समुदाय को इससे सबसे ज्यादा दिक्कत होगी तो फिर आदिवासियों को इससे बाहर रखने की बात कहां से आई? जाहिर है आदिवासी समुदाय को भी इससे दिक्कत है। इसके बाद सिख समुदाय ने ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करने का ऐलान किया। सिखों की सबसे बड़ी और पवित्र संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कहा कि समान नागरिक संहिता सिख संस्कृति, उसकी परंपरा और उसके धार्मिक रीति–रिवाज को प्रभावित करेगी। सिखों के बाद ईसाई समुदाय ने इसका विरोध किया और विरोध की सबसे तीखी आवाज पूर्वोत्तर से आई। वहां मेघालय, नगालैंड, मिजोरम आदि राज्यों में भाजपा की सहयोगी पार्टियों ने कहा कि उनको समान नागरिक संहिता कबूल नहीं है। बाद में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी विधि आयोग को भेजी गई अपनी सलाह में इस तरह के किसी प्रयास का विरोध किया। सबसे दिलचस्प बात यह है कि कट्टरपंथी हिंदू बौद्धिकों ने भी इसका विरोध किया। उनका कहना है कि यह कानून मुस्लिम समाज में प्रचलित बहुविवाह या हलाला जैसी प्रथा को समाप्त करने की बजाय हिंदू यूनाइटेड फैमिली यानी एचयूएफ के कांसेप्ट को खत्म कर देगा। कई हिंदुवादी विचारकों ने लिखा कि पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के समय लाए गए हिंदू कोड बिल से भी हिंदुओं की जो परंपरा बच गई थी वह इससे खत्म हो जाएगी। जाहिर है इस कानून से जितनी दिक्कत मुस्लिम समुदाय को है उतनी ही दिक्कत आदिवासी समुदायों को है, उतनी ही दिक्कत सिख समुदाय को है और उतनी ही दिक्कत ईसाई समुदाय को है। सो, मोटे तौर पर कहें तो करीब 30 फीसदी आबादी ने समान नागरिक कानून बनाने की पहल का विरोध किया है। इसके अलावा बड़ी संख्या हिंदुवादी लोगों की भी है, जो मसौदा देखे बगैर इसके विरोध में उतर आए हैं। तभी सरकार के सामने दुविधा है। अगर वह आदिवासी या किसी भी समुदाय को कोई रियायत देती है तो समान नागरिक संहिता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। यूनिफॉर्म कानून का मतलब है कि वह यूनिवर्सल होना चाहिए। समान रूप से देश के हर नागरिक के लिए लागू होना चाहिए। लेकिन विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेने का अधिकार और संपत्ति का बंटवारा ये चार ऐसी चीजें हैं, जिन पर एकसमान कानून बनाना बहुत मुश्किल है। हर जातीय समुदाय की अपनी अपनी परंपराएं हैं, जिनको छोडना उनके लिए आसान नहीं होगा। इसलिए इस पर सलाह मशविरा करके आम राय बनाने की बजाय कानून थोपने की कोशिश कामयाब नहीं हो सकती है। समान नागरिक कानून को लेकर यहां वहां जो विरोध हुए और उनमें जो तर्क दिए गए उन पर विचार की जरूरत है। जैसे यह कहा गया कि कई आदिवासी समुदायों में बहुपत्नी प्रथा प्रचलित है। मिजोरम के जियोना चाना की मिसाल दी गई, जिनकी 39 पत्नियां और 167 बेटे, बेटियां, पोते, पोतियां हैं। इसी तरह यह भी मिसाल दी गई कि सिक्किम में कम होती आबादी की वजह से राज्य सरकार ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए लोगों को प्रोत्साहन दे रही है।

युवा खिलाड़ियों की टीम गलतियां..., हार के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या का बयान

ब्रायन लारा स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टी20 मुकाबला खेला गया। जिसमें भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। वहीं इससे पहले भारत ने टेस्ट और फिर वनडे सीरीज पर अपना कब्जा किया लेकिन टी20 सीरीज का पहला ही मुकाबला वो गंवा बैठी। इस हार के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या (भ्ंतकपा च्ंदकलं) ने अपना बयान दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों की टीम गलतियां तो करेगी ही। लेकिन हम साथ में बढ़ेंगे। इस दौरान हार्दिक ने डेब्यू करने वाले तिलक वर्मा (ज्पसां टमतउं) और मुकेश कुमार के प्रदर्शन को भी सराहा। हालांकि, उन्होंने टीम की गलतियां भी स्वीकार की हैं।

इस दौरान पांड्या ने कहा कि, हम लक्ष्य का पीछा करते हुए काफी सहज थे। लेकिन हमने कुछ गलतियां की और मैच गंवा दिया। लेकिन ये ठीक है, एक युवा टीम गलतियां करेगी। हम साथ बढ़ेंगे, पूरे मैच में हमारा नियंत्रण था, जो एक सकारात्मक बात है। हार्दिक पांड्या ने भारत की हार का कारण विकेट जल्दी गंवाना बताया। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में अगर आप विकेट खो देते हैं तो किसी भी लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल हो जाता है, वैसा ही हुआ। जब हमने अपने विकेट गंवाए तो हमारा लक्ष्य का पीछा करना रुक गया।

तिलक–मुकेश की सराहना

हालांकि, भारतीय कप्तान ने युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा की काफी सराहना की। हार्दिक ने कहा कि जिस तरह से तिलक ने शुरुआत की, उसे देखकर काफी अच्छा लगा। कुछ छक्कों के साथ अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर की शुरुआत करना कोई बुरा तरीका नहीं है। तिलक में आत्मविश्वास और निडरता है। वो भारत के लिए चमत्कार कर सकते हैं। वहीं हार्दिक पांड्या खेल के बाद पूरी तरह से अपने खिलाड़ियों के समर्थन में थे। उन्होंने मुकेश कुमार को लेकर कहा कि जिस तरह से उन्होंने तीनों फॉर्मेट में डेब्यू किया वो वाकई काबिले तारीफ है।

वहीं मैच की बात करें तो, भारतीय टीम लक्ष्य के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल करने में नाकामयाब रही। एक के बाद एक विकेट गंवाने से टीम को चार रनों से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए तिलक वर्मा 22 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें उन्होंने तीन छक्के भी जड़े।

सोमालिया की सुस्त एथलीट ने बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड, खेल मंत्री ने एथलेटिक्स महासंघ को किया निलंबित

चीन में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। इन गेम्स में सोमालिया को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। दरअसल, महिलाओं की 100 मीटर रेस में सोमालिया की एथलीट ने 100 मीटर की रेस पूरा करने में 21 सेकेंड का समय लगाया। बता दें कि, 100 मीटर स्प्रिंट में कोई एथलीट ज्यादा से ज्यादा 9,10 या फिर 11 सेकेंड का समय लेता है। लेकिन इस सुस्त एथलीट ने तो शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर दिया। जिससे नाराज होकर सोमालिया के खेल मंत्री ने एक्शन लिया और अपने देश के एथलेटिक्स महासंघ की अध्यक्ष को निलंबित कर दिया।

चीन में चल रहे वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में सोमालिया ने एक नौसिखिया 100 मीटर स्प्रिंटर नसरा अबुबकर अली को मैदान में उतारा। जिसके बाद इस नौसिखिया स्प्रिंटर ने स्प्रिंट जीतने वाली एथलीट से लगभग दोगुना समय लिया। जिसके बाद सोमालिया के खेल अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग उठने लगी। सोमालिया खेल मंत्री मोहम्मद बर्रे मोहमूद ने नसरा से माफी मांगी है। बता दें कि, एक रिपोर्ट के अनुसार इस एथलीट को इन खेलों या किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने का बिलकुल भी अनुभव नहीं था।

वहीं सोमालिया के लोग आरोप लगा रहे हैं कि, जब नसरा को कोई भी अनुभव नहीं था तो उन्हें कैसे और क्यों चुना गया? हालांकि, अब सोमालिया खेल मंत्रालय ने द सोमाली एथलीट फेडरेशन की चेयरवुमन खादिज अदेन दाहिर को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही बयान में ये भी कहा गया है कि नसरा अबुबकर अली की पहचान न तो खिलाड़ी और न ही धावक के रूप में की गई है।

हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब किसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में किसी एथलीट को भेजने को लेकर सोमालिया में विवाद हुआ हो। इससे पहले भी वहां कई बार एथलीटों को चुने जाने को लेकर विवाद हुआ है। 2016 के रियो ओलंपिक में भी सोमालिया की ओर से भेजे गए एथलीट मरीन नुह म्यूज को लेकर विवाद हुआ था। म्यूज ने 400 मीटर की दौड़ को पूरी करने में एक मिनट 10 सेकेंड से ज्यादा का समय लगाया था। जबकि औसत समय 48 सेकंड है।

आखिर तुमने कुलदीप के साथ क्या किया..., रवि शास्त्री ने पूर्व सेलेक्टर से पूछा ये सवाल

भारतीय टीम मौजूदा समय में वेस्टइंडीज दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है। वहीं इससे पहले दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज खेली गई जिस पर भारत ने अपना कब्जा जमा लिया। हालांकि, ये दौरान चाइनामैन यानी कुलदीप सिंह के लिए बेहद शानदार रहा है। पहले वनडे मुकाबले में कुलदीप ने महज 6 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। अभी तक ये साल कुलदीप यादव के लिए अच्छा रहा है,वो भारतीय टीम की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने हैं। कुलदीप ने इस साल अभी तक 22 विकेट अपने नाम किए हैं। लेकिन अगर किसी को कुलदीप की इस बेहतरीन वापसी का श्रेय जाता है तो वो पूर्व सेलेक्टर सुनील जोशी (नदपस श्रवीप) हैं ।

सुनील जोशी का कहना है कि कुलदीप की इस शानदार वापसी से हर कोई हैरान है। इस कड़ी में पूर्व कोच रवि शास्त्री ने उनसे इस बारे में सवाल भी किया कि उन्होंने कुलदीप के साथ आखिर किया क्या है?

कुलदीप यादव की वापसी धमाकेदारः बता दें कि, पिछले साल चाइनामैन की भारतीय टीम में वापसी हुई थी। इससे पहले कुलदीप को करीब दो साल तक टीम इंडिया में जगह तक नहीं दी जा रही थी। रवींद्र जडेजा और आर अश्विन की जोड़ी कुलदीप और चहल की जोड़ी को बाहर कर चुकी थी। लेकिन कुलदीप ने शानदार वापसी करके सबको अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। वहीं इस मामले में पूर्व सेलेक्टर सुनील जोशी ने खुलासा करते हुए द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, जब कुलदीप को बाहर किया गया तो मैं चयन समिति का हिस्सा था। उस समय बचाव के लिए कौन आया? कोचिंग स्टाफ में से कोई नहीं, मैं ही था जिसने उसकी डिलिवरी स्ट्राइक को छोटा कराया, फ्रंट आर्म और आर्म स्पीड को भी बेहतर कराया। उसे ज्यादा से ज्यादा गेंद डालने के लिए कहा।

कुलदीप की वापसी से रवि शास्त्री हैरान

जोशी ने आगे कहा कि, कुलदीप की दमदार वापसी को देखकर रवि शास्त्री ने मुझसे पूछा कि तुमने कुलदीप के साथ क्या किया है? मैंने कहा, ष्रवि भाई मैंने कुछ खास नहीं किया है। ये वही चीजें हैं जो एक गेंदबाजी कोच को करनी चाहिए। अगर कुलदीप 2.0 को देखें तो उसका अगला हाथ लक्ष्य की ओर अच्छा है, उसका बॉलिंग आर्म टारगेट की ओर है। वो लक्ष्य की ओर दौड़ता है। आप देखिए कि अब वो किस तरह से गेंदबाजी कर रहा है।ष

इसके साथ ही कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच में सबसे कम 20 रन दिए थे। इसके अलावा उन्हें एक विकेट की सफलता भी मिली। हालांकि, भारतीय टीम मैच को बचा नहीं पाई और उसे हार झेलनी पड़ी।

टीम इंडिया के लिए खुशखबरी, एशिया कप 2023 से मैदान पर वापसी कर सकते हैं ज्ञस् तेनस

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खुशखबरी है। दरअसल, टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल एशिया कप 2023 के साथ टीम इंडिया में वापसी कर सकते हैं। पहले जसप्रीत बुमराह और अब केएल राहुल, वर्ल्ड कप और एशिया कप से पहले ठीक होना वाकई टीम इंडिया के लिए राहत की खबर है। हालांकि, जसप्रीत बुमराह आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से क्रिकेट मैदान पर वापसी कर रहे हैं। इसमें वो बतौर कप्तान टीम इंडिया का हिस्सा होंगे। वहीं कहा जा रहा है कि, केएल भी एशिया कप 2023 से मैदान पर वापसी करेंगे। वहीं श्रेयस अय्यर (ौतमलें प्लमत) की फिटनेस पर अभी भी सस्पेंस है।

एशिया कप के लिए राहुल फिट, अय्यर पर सस्पेंस : बता दें कि, आईपीएल 2023 के दौरान आरसीबी के खिलाफ लखनऊ में खेले गए मैच में केएल राहुल चोटिल हो गए थे। जिसके बाद वो लंदन गए जहां उनके पैर की सर्जरी हुई। वहीं अब कहा जा रहा है कि केएल पूरी तरह से फिट हैं और एशिया कप 2023 सेलेक्शन के लिए भी उपलब्ध हैं। इससे पहले कहा जा रहा था कि, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर एशिया कप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वहीं अय्यर की वापसी में अभी भी समय लग सकता है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक केएल राहुल पूरी तरह से फिट हो चुके हैं। एशिया कप 2023 के टीम सेलेक्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे। एशिया कप पाकिस्तान और श्रीलंका में 30 अगस्त से खेला जाना है। एशिया कप 2023 के महज चार मैच ही पाकिस्तान में होंगे, जबकि बाकी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। कुछ दिन पहले ही केएल राहुल ने अपना एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें वो बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग का जमकर अभ्यास कर रहे थे। अगर केएल एशिया कप में खेलते हैं तो उनकी वर्ल्ड कप 2023 से पहले अच्छी प्रैक्टिस हो जाएगी।

चीन के साथ खुफिया जानकारी कर रहे थे साझा, अमेरिकी नौसेना के दो जवान गिरफ्तार

अमेरिकी अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा सामग्री चीन को सौंपने के आरोप में अमेरिकी नौसेना के दो नाविकों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने

कहा कि 26 वर्षीय पेटी ऑफिसर वेनहेंग झाओ पर संवेदनशील अमेरिकी सैन्य जानकारी की तस्वीरों और वीडियो के बदले लगभग 15,000 डॉलर लेने के संबंध में साजिश और रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था। अमेरिकी नौसेना के नाविक जिनचाओ वेई, जिनकी उम्र का खुलासा नहीं किया गया पर हजारों डॉलर के बदले में राष्ट्रीय रक्षा जानकारी चीन को भेजने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया।

सहायक अटॉर्नी जनरल मैट ऑलसेन ने सैन डिएगो में संवाददाताओं से कहा कि पुरुषों के कार्यों के कारण, संवेदनशील सैन्य जानकारी पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के हाथों में चली गई। झाओ पर अपने चीनी हैंडलर को इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अभ्यास की योजना, जापान के ओकिनावा में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर एक रडार प्रणाली के लिए विद्युत आरेख और ब्लूप्रिंट और वेंचुरा काउंटी और सैन क्लेमेंटे में अमेरिकी नौसैनिक सुविधाओं के लिए सुरक्षा विवरण भेजने का आरोप है। वेई पर यूएसएस एसेक्स, एक उभयचर हमला जहाज, जहां उन्होंने सेवा की थी, के साथ–साथ अन्य अमेरिकी युद्धपोतों के बारे में जानकारी का खुलासा करने का आरोप लगाया है, जिसमें एसेक्स के हथियारों, बिजली संरचना और संचालन के बारे में दर्जनों तकनीकी मैनुअल शामिल हैं।

वेई और झाओ के संपर्क विवरण तुरंत नहीं मिल सके। अमेरिकी अधिकारियों ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीन के जासूसी अभियान की निंदा की। एफबीआई के विशेष एजेंट स्टेसी मोय ने कहा, ष्संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए चीन से बड़ा, बहु–पीढ़ीगत खतरा कोई नहीं है। बीजिंगदुनिया की एकमात्र महाशक्ति बनने की अपनी रणनीतिक योजना में संयुक्त राज्य अमेरिका पर हमला करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली नौ अगस्त को भंग कर दी जाएगीः शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि निचले सदन का कार्यकाल खत्म होने से तीन दिन पहले ही नेशनल असेंबली को नौ अगस्त को भंग कर दिया जाएगा। इस कदम से देश में 90 दिनों के भीतर आम चुनाव कराना होगा। 'डॉन' अखबार ने शुक्रवार को एक समाचार में बताया कि शरीफ ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री आवास पर सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगियों के लिए आयोजित रात्रिभोज समारोह में यह बात कही। पाकिस्तान की संसद का पांच साल का कार्यकाल 12 अगस्त को पूरा होने जा रहा है। ऐसे में सत्ताधारी गठबंधन सरकार चुनाव की तैयारी कर रही है।

संविधान के प्रावधान के तहत

नेशनल असेंबली का कार्यकाल पूरा होने पर60 दिन में आम चुनाव कराने होते हैं, लेकिन अगर कार्यकाल पूरा होने से पहले ही असेंबली को भंग कर दिया जाए तो यह अवधि 90 दिन तक बढ़ सकती है। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री नौ अगस्त को नेशनल असेंबली भंग करने के लिए राष्ट्रपति आरिफ अलवी को अधिसूचना भेजेंगे। संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति के अधिसूचना पर हस्ताक्षर करते ही असेंबली भंग हो जायेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर किसी कारण से राष्ट्रपति हस्ताक्षर नहीं करते हैं, तो प्रधानमंत्री की अधिसूचना प्राप्त होने के 48 घंटे बाद असेंबली स्वतरू ही भंग हो जाएगी। रात्रि भोज समारोह में शरीफ ने सहयोगी दलों के नेताओं को बताया कि सत्ताधारी दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) ने पार्टी के भीतर विचार–विमर्श को अंतिम रूप दे दिया है और प्रधानमंत्री शुक्रवार को कार्यवाहक ढांचे पर सहयोगियों के साथ अंतिम दौर की चर्चा शुरू करेंगे। इसमें कम से कम तीन दिन लगने की उम्मीद है। कार्यवाहक ढांचे पर सहयोगियों के साथ एक ऑनलाइन बैठक शुक्रवार को भी होने की उम्मीद है।

5 अगस्त को फिर कुछ बड़ा होने वाला है, शान से इस जगह लहराएगा तिरंगा प्यारा

पाकिस्तान के लिए अगले 24 घंटे बहुत मुश्किल भरे हैं। ये

बात हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि वहां आजकर 5 अगस्त की चर्चा जोरों पर है। वहां के लोग तो दबी जुबान में ये भी कह रहे हैं कि 5 अगस्त को हो ना हो भारत फिर कुछ बड़ा करने जा रहा है। 5 अगस्त ही वो तारीख थी जब 2019 में मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा दिया था। 5 अगस्त 2019 के बाद एक नया जम्मू–कश्मीर उभर रहा है जहां युवा अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। अब फिर एक बार 5 अगस्त के ही दिन भारत एक और इतिहास बनाने के करीब पहुंच गया है। 1 दिन बाद हमारा चंद्रयान चांद की कक्षा में प्रवेश कर जाएगा। इस अग्निपरीक्षा को पास करने के साथ ही हम चांद पर तिरंगा लहराने के बेहद करीब खड़े होंगे। 5 अगस्त की तारीख बेहद खासः जम्मू कश्मीर के लोग 5 अगस्त 2019 से आगे बढ़ चुके हैं। लेकिन पाकिस्तान की सरकार और 22 करोड़ जनता अब तक 5 अगस्त पर अटकी हुई है। शहबाज शरीफ सरकार के शह पर एजेंडा चलाने में लगे हैं। इसरो के मुताबिक करीब 23 दिन की और यात्रा करने के बाद चंद्रयान 3 चांद की सतह पर लैंड करेगा। बता दें कि चंद्रयान 3 को 14 जुलाई को लॉन्च किया गया था। चंद्रयान 3 ने 1 अगस्त को पृथ्वी के चारो ओर परिक्रमा पूरी कर ली है। पृथ्वी की कक्षा से बाहर जा चुके चंद्रयान 3 को अभी चांद तक पहुंचने के लिए 3.8 लाख किलोमीटर की यात्रा और करनी है। इसरो का कहना है कि लूनर ऑर्बिट इंसर्न की 5 अगस्त की योजना बनाई गई है। 23 अगस्त, शाम 05.47 बजे चांद पर उतरेगा चंद्रयान–3: अगर सबकुछ योजना के अनुसार रहा तो लेंडर विक्रम 23 अगस्त को शाम 5रू47 बजे चंद्रमा की सतह पर उतरेगा। यानी अगर इस तरह देंखे तो 23 अगस्त बुधवार का दिन देश के लिए सबसे अहम रहेगा। हम सभी की निगाहें चंद्रयान पर अटकी होंगी। हम सभी ये प्रार्थना कर रहे होंगे कि वो सकुशल चांद की सतह पर उतर आए। ये भारतीय अंतरिक्ष मिशन का ऐसा क्षण होगा, जिसमें सफलता के बाद इसरो के लिए बहुत कुछ बदल जाएगा।

लोकलाज पर बिहार में छिड़ा सियासी संग्राम

भाजपा बोली- सत्ता के लिए पलटी मारने वालों के मुंह से यह अच्छा नहीं लगता

पटना। बिहार में लोकलाज को लेकर राजनीतिक तेज होते दिखाई दे रही है। दरअसल, दिल्ली सेवा विधेयक पर गुरुवार को लोकसभा में चर्चा हुई। इसी दौरान जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने लोकलाज से लेकर संघीय ढांचे तक की दुहाई दी। इसके साथ ही ललन सिंह ने कहा कि लोकतंत्र लोकलाज से चलता है। अब भाजपा लोकलाज को लेकर ललन सिंह पर पलटवार कर रही है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने संसद में इतिहास को याद दिलाते हुए कहा कि ललन जी आप लोकलाज की बात नहीं करें तो बढ़िया है क्योंकि जिस चारा घोटाले को लेकर बिहार के जनता के सामने गए थे, आज चारा घोटाला करने वालों के साथ आप सरकार में बैठे हुए हैं। आपके मुंह से लोकलाज अच्छा नहीं लगता। बिहार में भी लोकलाज को लेकर राजनीति तेज हो गई है। बिहार भाजपा के पूर्व अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि जदयू को लोकलाज जैसे विषय पर चर्चा करने का कोई हक नहीं है क्योंकि वह जिस पार्टी के साथ जीतकर सत्ता में जाती है, उसे छोड़ कर भाग जाती है। यह काम जदयू के इतिहास में आ चुका है। वहीं, पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी ने भी जदयू पर निशाना साधा। सुशील कुमार मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने नौकरी के बदले जमीन मामले में लालू परिवार के विरुद्ध पुख्ता सबूत जांच एजेंसियों को दिये और बाद में लालू प्रसाद से ही डील कर सत्ता बचा ली, उनके मुहँ से लोकलाज की बात अच्छी नहीं लगती। मोदी ने कहा कि यदि हिम्मत हो, तो ललन सिंह माफी मांगते हुए ऐलान करें कि लालू परिवार दूध का धुला है और उस पर भ्रष्टाचार के सबूत उपलब्ध करा कर उन्होंने गलती की। उन्होंने कहा कि यदि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर नीतीश कुमार को लोकलाज का खयाल होता तो उन्होंने चारा घोटाला में सजायाफ्ता लालू प्रसाद से हाथ नहीं मिलाया होता। मोदी ने कहा कि जमीन के बदले नौकरी और आईआरसीटीसी मामले में आरोपी तेजस्वी यादव से हाथ मिलकर राज करना क्या लोकलाज है? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने कई मामलों में तेजस्वी यादव को 2025 के लिए अपना उत्तराधिकारी क्यों घोषित कर दिया।

पानी में डूबने से हुई थी लापता युवक की मौत

सलेमपुर। मझौलीराज वार्ड संख्या छह के रहने वाले सूरज गुप्ता (29) का शव सुबह सलेमपुर कस्बा गांव के सामने छोटी गंडक नदी मिला था। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की मौत पानी में डूबने से हुई है। कोतवाली थाना के सलेमपुर कस्बा गांव के समीप छोटी गंडक नदी में . सुबह मझौलीराज नगर के वार्ड छह के रहने वाले सूरज गुप्ता का शव मिला था। सूरज के चाचा सुनील गुप्ता ने बताया कि सुबह से सूरज गायब था। एक दिन पहले कुछ लोगों से विवाद हुआ था। इसके बाद उनकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन वह नहीं मिले। अभी तलाश की जा रही थी तब तक शव नदी में मिला। चाचा ने एक दिन पूर्व हुए विवाद में हत्या की आशंका जताई थी।

खुदाई के बाद रोड छोड़ने वाली संस्थाओं से वसूला जाएगा जुर्माना

देवरिया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने विकास भवन स्थित गांधी सभागार में जल जीवन मिशन ग्रामीण की समीक्षा की। उन्होंने समस्त कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिया कि पाइप डालने के लिए की जाने वाली खुदाई के बाद रोड को पूर्व की स्थिति में री–स्टोर किया जाए। ऐसा न करने वाली संस्थाओं के विरुद्ध परियोजना की कुल लागत का तीन प्रतिशत दंडात्मक शुल्क बतौर जुर्माना वसूला जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। इसके माध्यम से हर घर में नल का स्वच्छ जल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण अखिल आनंद ने जिलाधिकारी को अवगत कराया की वर्तमान समय में योजना अंतर्गत कुल 920 ग्राम पंचायतों में से 709 में कार्य प्रारंभ स्थिति में है। मैसर्स एलसी इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड, मैसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लिमिटेड, मैसर्स ऋत्विक–कोया, मैसर्स यूनिवर्सल द्वारा पानी की टंकियों का निर्माण कराया जा रहा है। अभी तक 2,13,517 परिवारों को हर घर नल योजना के तहत कवर किया गया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी रविशंकर राय, सहायक अभियंता सुनील कुमार सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

पिस्टल के साथ युवक का वीडियो वायरल, पुलिस ने किया गिरफ्तार

देवरिया। एक युवक का नीली पगड़ी बांधे हाथ में पिस्टल लहराते हुए वीडियो व फोटो वायरल हो गया है। पुलिस युवक को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। पिस्टल असली है या नकली, इसकी जांच की जा रही है। थाना क्षेत्र के महुअवा खुर्द गांव के एक युवक का वीडियो व फोटो वायरल हो रहा था। वह नीली पकड़ी बांधे हाथ में पिस्टल लेकर लहरा रहा है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद किसी ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए युवक को गांव से पकड़ कर थाने ले गई। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी मृत्युंजय राय ने बताया कि शिकायत मिली थी। पिस्टल के साथ वीडियो वायरल होने पर युवक को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। अगर पिस्टल असली हुई तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कूटरचित प्रमाणपत्र पर नौकरी कर रहे शिक्षक को सात वर्ष की सजा

महराजगंज। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट असगर अली प्रथम ने कूटरचित प्रमाणपत्र के सहारे जिले में नौकरी कर रहे शिक्षक को सात वर्ष की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 40 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड न देने पर दो वर्ष के अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा से भी दंडित किया। संतकबीरनगर जिले के ग्राम रेवटा के रहने वाले सुनील कुमार तिवारी ने फर्जी शैक्षिक प्रमाणपत्र के आधार पर 26 सितंबर 1998 को गोंडा जिले के प्राथमिक विद्यालय सिंगारघाट पर नियुक्ति प्राप्त कर ली। गोंडा में जब इसकी पोल खुली तो वह फरार हो गया। उसने फिर से अंतरजनपदीय स्थानांतरण के आधार पर वर्ष 2000 में परतावल ब्लॉक के हरपुर तिवारी में कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद वर्ष 10 जून 2020 तक घुघली ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय हरखी प्यास में प्रधानाध्यापक के रूप में कार्य करते हुए वेतन भी प्राप्त किया। एसटीएफ लखनऊ के एसएसपी की ओर से कराई गई जांच में शिक्षक के फर्जीवाड़े की पोल खुली व उसके विरुद्ध खंड शिक्षा अधिकारी श्यामसुंदर पटेल ने घुघली थाने में मुकदमा दर्ज कराया। न्यायालय ने पाया कि शिक्षक की ओर से जानबूझकर यह कृत्य किया गया। गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सुनील कुमार तिवारी उर्फ कृष्ण माधव पांडेय को सात वर्ष की सजा सुनाई।

गैर इरादतन हत्या के मामले के आरोपी को साढ़े छह साल सश्रम कारावास की सजा

महराजगंज। गैर इरादतन हत्या के मामले के आरोपी को छह वर्ष छह माह के सश्रम कारावास की सजा मिली है। 10000 के अर्थदंड से भी दंडित किया गया है। दूसरी आरोपी सकीना को दोषमुक्त करार दिया गया है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा जमुनिया में वर्ष 2016 में इरफान अली के हत्या के मामले में वादी मुकदमा आतरून निशा निवासी जमुनिया, थाना कोतवाली ने रिपोर्ट दर्ज कराई। एक दिसंबर 2016 को समय करीब 1रू30 बजे दिन में वह अपने छत पर कपड़ा डालने के लिए रस्सी बांधने के बाद अपना कपड़ा फैला दी। निसार व उसकी पत्नी सकीना ने कपड़ा किनारे कर अपना कपड़ा फैला दिया। विरोध करने पर निसार व उसकी पत्नी सकीना गाली देते हुए मारने के लिए दौड़ा ली। निसार ने अपने हाथ में लिए हुए लाठी से मेरे पति इरफान अली के सिर पर प्रहार कर दिया जिससे उनकी मौके पर हो गई। न्यायालय ने दोषी पाए जाने पर अभियुक्त निसार को छह वर्ष छह माह के सश्रम कारावास के साथ 10000 के अर्थदंड से दंडित किया है।

घर की सफाई कर रही महिला को सर्प ने डसा, मौत

बरहज। क्षेत्र के खोड़ा गांव में .सुबह घर की सफाई कर रही महिला इंदू देवी (52) को विषैले सर्प ने डस लिया। जानकारी होने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जा रहे थे। लेकिन, रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इंदू देवी सुबह भोजन पकाने रसोई में गईं। जहां साफ–सफाई के दौरान मौजूद विषधर ने उन्हें डस लिया। उन्होंने इसकी जानकारी परिजनों को दी और मूर्छित होने लगीं। मां की मौत से पुत्र विकास (15), गंगेश (12) का रो–रो कर बुरा हाल था। वह कुछ समझ नहीं पा रहे थे। जबकि बड़ा पुत्र आकाश (18) अहमदाबाद में एक प्राइवेट कंपनी में कार्य करता है। इंदू के पति की 2020 में मौत हो गई थी।

घर आ रहे बीएसएफ जवान की हादसे में मौत

बरहज। मदनपुर थाना क्षेत्र के नेतवार गांव निवासी बीएसएफ के जवान की राजस्थान में हादसे में मौत हो गई। जानकारी होने पर घर में मातम छा गया। वह जोधपुर स्टेशन से छुट्टी पर गांव आ रहे थे। बीएसएफ के जवान धर्मेंद्र गोंड़ (35) पुत्र रामचंद्र गोंड की पोस्टिंग राजस्थान के जैसलमेर में थी। वह छुट्टी पर गांव आ रहे थे। जोधपुर स्टेशन से धर्मेंद्र ने परिजनों से बात की थी। पिता से कहा कि पापा! ट्रेन में बैठ गया हूं। कल रात तक घर पहुंच जाऊंगा, लेकिन घर पहुंचने की जगह उनकी मौत की सूचना मिलने पर रोना–पीटना मच गया। पति के मौत की जानकारी होने पर रिंकू देवी दहाड़े मारने लगीं। वह रह–रह कर बेहोश हो जा रही थीं। जबकि मां लालमती देवी बदहवास हो गईं। पुत्री श्वेता, प्रीति, पुत्र अमन कुछ समझ नहीं पा रहे थे। उनसे कोई कुछ भी नहीं बता रहा था। दरवाजे पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना को लेकर सभी हतप्रभ थे। दरवाजे पर आने–जाने वाले लोग नियति को कोस रहे थे। मिथिलेश गोंड, मीरा, धीरज में धर्मेंद्र तीसरे नंबर के थे। धर्मेंद्र की प्राथमिक शिक्षा बरांव स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण बाल विकास विद्यालय से हुई थी, जबकि भीष्म पितामह इंटर कालेज देवपार से इंटर और रामजी सहाय पीजी कालेज रुद्रपुर से स्नातक किया था। थानाध्यक्ष मदनपुर महेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि बीएसएफ के जवान धर्मेंद्र के हादसे में निधन की जानकारी मिली है।

11 नामजद व 15 अज्ञात पर मारपीट व बलवा का केस

सलेमपुर। मझौलीराज में मोहर्रम के दिन भीड़ से निकलने की बात को लेकर कुछ लोगों ने मझौलीराज के वार्ड नंबर दो हनुमान चौक के रहने वाले पिता–पुत्र की लाठी, डंडे से पिटाई कर दी थी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर 11 नामजद तथा 15 अज्ञात के खिलाफ मारपीट व बलवा का केस दर्ज किया है। कोतवाली में दी तहरीर में राजकिशोर कुशवाहा ने बताया कि मोहर्रम के दिन वे सब्जी लेने चौराहे पर गए थे। वहां पर कुछ लोग ताजिए के चलते करतब दिखा रहे थे। इसी बीच वह भीड़ से आगे बढ़ने के लिए कहे तो कुछ लोग जाने से रोक दिए।

वह एक व्यक्ति से घर पर जरूरी बात होने को कह भीड़ से ज्योंही निकलने का प्रयास किए। इस पर भीड़ में मौजूद मझौलीराज के वार्ड संख्या एक के सद्दाम, गोलू, सैफ, रेयाज, सोहेब, एजाज, कम्मन मास्टर का भाई, सद्दाम, खुर्शीद, भाऊ व सुग्गन तथा दस से पंद्रह की संख्या में अज्ञात लोगों ने मुझे लाठी, डंडा से मारा पीटा। मेरा लड़का प्रवीण बचाने का प्रयास किया तो हमलावर उसे भी मारने पीटने लगे, जिससे दोनों बेहोश हो गए। घायलावस्था में दोनों को कुछ लोग अस्पताल ले जाकर इलाज कराए। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है।

नेपाल भेजने के लिए रखा 114 बोरी चावल बरामद

सीमावर्ती क्षेत्र में लगातार हो रही है चावल की बरामदगी

महराजगंज। इन दिनों नेपाली सीमा लगे गांवों के आसपास चावल की बरामदगी लगातार हो रही है। बीते माह ताबड़तोड़ हुई कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। सख्ती के बाद भी चावल की तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है। नेपाल भेजने के लिए रखा गया 114 बोरी चावल बरामद किया गया। नायब तहसीलदार नौतनवां विवेक कुमार श्रीवास्तव ने मुखबिर की सूचना पर खनुआ गांव में एक घर के बाहर नेपाल भेजने के लिए रखा हुआ चावल बरामद कर पुलिस को सौंप कर जांच का निर्देश दिया।

भारत से नेपाल चावल निर्यात पर रोक है। इसके अलावा भारत की तुलना में नेपाल में चावल की कीमत काफी ज्यादा है। इसके अलावा भारतीय चावल की नेपाल में मांग भी अधिक है। इसका तस्कर फायदा उठा रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्र में इकट्ठा करते हैं और फिर इसे नेपाल पहुंचा देते हैं। सख्ती के बाद इन दिनों तस्कर स्थान बदलकर चावल सीमावर्ती क्षेत्र में रखने लगे हैं। दूसरी तरफ प्रशासन की ओर से कार्रवाई भी तेज कर दी गई है। भनक लगते ही प्रशासन की ओर से कार्रवाई की जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्र में तस्करी को रोकने के लिए प्रशासन ने भी नेटवर्क मजबूत कर लिया है, यही कारण है कि नेपाल जाने से पहले से बरामदगी हो रही है। सूत्र बता रहे हैं कि बरामदगी के बावजूद बड़े पैमाने पर चावल और गेहूं को सरहद पार पहुंचाया जा रहा है। इस धंधे में सीमावर्ती क्षेत्र में तस्करों ने पगडंडी को चुना है, इस तरफ से वे आसानी से सरहद पार हो जाते हैं।

नायब तहसीलदार नौतनवां विवेक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि देर शाम मुखबिर से सूचना मिली कि सीमावर्ती गांव खनुआ में नेपाल भेजने के लिए चावल का भंडारण किया जा रहा है। चावल नेपाल जाने वाला है। सूचना पाकर मौके पर पहुंचा तो देखा कि एक मकान के बाहर चावल रखा गया था। वहां से 114 बोरी चावल बरामद किया गया। बरामद चावल बरामद कर सोनौली पुलिस सौंपा गया। जांच पड़ताल के बाद नौतनवां कस्टम को सौंप दिया गया।

अधिकारियों ने नहीं सुनी फरियाद तो महिलाएं पहुंची न्यायालय शरण में

लंबे समय से न्याय की इंतजार में थी समूह की महिलाएं

फरेंदा। रामनगर की डॉ. आंबेडकर स्वयं सहायता समूह की महिलाएं समूह के धन गबन की शिकायत करीब एक माह पूर्व तहसील दिवस में कर चुकी थीं, लेकिन अधिकारी शिकायत की अनदेखी करते रहे। अधिकारियों का चक्कर लगाते लगाते महिलाए थक गई तो न्यायालय की शरण में पहुंची। जहां पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कूटरचित तरीके से धन आहरण सहित धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने का आदेश हो गया। पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए आपूर्ति निरीक्षक राघवेंद्र प्रताप शाही समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

फरेंदा के रामनगर निवासी रेखा ने एक माह पूर्व अपने समूह के सदस्यों के साथ संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंची थी। जिसकी शिकायत मिलने के बाद भी अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। दरअसल समूह की महिलाओं के हवाले गांव की सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान हैं, जिससे 11 महिलाओं के परिवार का भरण पोषण होता था। समूह की महिलाएं आवश्यकता अनुसार समूह के खाते से रकम निकाल कर अपनी जरूरतों को पूरी करती रहती हैं। खाते से रकम निकालने के लिए अध्यक्ष ,सचिव व कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षर जरूरी होता है। बिना उनके हस्ताक्षर के राशन का उठान संभव नहीं होता है। उसके बावजूद भी आपूर्ति निरीक्षक की मदद से कूटरचित तरीके से धोखाधड़ी व बेईमानी की नियत से माह सितंबर 2022 से जनवरी 2023 तक खेल किया गया। इसके तहत ट्रेजरी चालानों के बिना समूह के रजिस्टर की कार्रवाई पूर्ण किए समूह के नियमों की अनदेखी करते हुए समूह के अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष के जानकारी में ट्रेजरी में हेराफेरी करते रहे। जिसमें कमीशन का लगभग दो लाख रुपये का गबन करने का मामला सामने आया। जिसके कारण समूह की अन्य सदस्य लाभ से वंचित रह गए। जिसकी जानकारी लेने पर आरोपी धमकी भी देते थे। पीड़ित अपमानित होकर वापस लौट जाते थे। आपूर्ति निरीक्षक से शिकायत करने पर समझा बुझा कर महिलाओं को शांत करा देते थे।

पूर्ति निरीक्षक समेत चार के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज

कूटरचित तरीके से कमीशन की बंदरबांट करने के मामले में न्यायालय ने दिया केस दर्ज करने का आदेश

फरेंदा। क्षेत्र के रामनगर में स्वयं सहायता समूह के सचिव व पूर्ति निरीक्षक सहित चार लोगों द्वारा ट्रेजरी चालान में हेराफेरा करते हुए कूटरचित तरीके से कमीशन का बंदरबांट करने के मामले में न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया। फरेंदा क्षेत्र के रामनगर निवासी रेखा ने न्यायालय में दाखिल शिकायती पत्र में कहा कि डॉ आंबेडकर महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष हैं। स्वयं सहायता समूह के नाम से एक बचत खाता हैं। जिसमें कार्रवाई पूर्ण करके पैसे की जमा व निकासी की जाती है। समूह के नाम से ही रामनगर में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान भी आवंटित हैं। जुलाई 2022 में 36 हजार रुपये व अगस्त माह में 35 हजार रुपये सरकारी चालान द्वारा खाते में जमा करके राशन की निकासी की गई। सरकारी कमीशन समूह के खाते में प्राप्त हुआ। स्वयं सहायता समूह की सचिव नीतू, राजित, पूर्ति अधिकारी राघवेंद्र शाही व प्रेम कुमार वर्मा ने कूटरचित तरीके से माह सितंबर 2022 से जनवरी 2023 तक ट्रेजरी चालानों में कार्रवाई पूर्ण किए बिना समूह के अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को दरकिनार करते हुए कमीशन के दो लाख रुपये की बंदरबांट कर ली। जबकि अन्य सदस्य लाभ लेने से वंचित हो गए। जब समूह के सदस्यों ने कमीशन के बारे में जानकारी चाही तो अभद्र व्यवहार किया गया। घटना की सूचना पुलिस के उच्चाधिकारियों को दी गई थी जिसमें कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। थानाध्यक्ष आनंद कुमार गुप्ता ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है।

सत्तराम पंथ आश्रम, जहाँ आज भी गूंजती कबीर साहेब की वाणी

जीव की मुक्ति और सत्तलोक प्राप्ति ही सत्तराम पंथ का ध्येय : राजेश दास

सलेमगढ कुशीनगर। भारतवर्ष के सबसे महान सर्वोपरि संत सम्राट सत्तगुरु कबीर साहेब ने जो भक्ति आन्दोलन का सूत्रपात समस्त जनमानस में किया था उसकी सतत धारा आज भी सत्तराम पंथ के सलेमगढ़ आश्रम में प्रवाहमान हो रही है । गौरतलब हो कि सत्तराम पंथ का स्थापना युग प्रवर्तक एवं सत्तगुरु कबीर साहेब जी के साक्षात प्रतिमूर्ति लाल संत पारखी गुरु जगदीश दास उर्फ सत्तराम बाबा जी के द्वारा किया गया, संतशिरोमणि जगदीश दास जी बिहार के सिवान जनपद के त्रिलोकाहाता ग्राम के रहने

वाले थे और एक सुविख्यात कवि , लेखक और संत के रुप में प्रसिद्ध थेस सत्तराम पंथ अनुयायियों का मत है कि सत्तराम बाबा जी ही एकमात्र कबीर साहेब जी के द्वितीय अवतार हुए हैं और कबीर साहेब के आध्यात्मिक विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है तथा इस घोर कलियुग में जीवों के मुक्ति हेतु प्राकट्य लेकर धाराधाम पर अवतरित हुए हैं स सत्तराम पंथ के अध्यक्ष और आश्रम के मुख्य पुजारी राजेश दास उर्फ गाम्हा मद्धेशिया ने बताया कि सत्तराम पंथ का मुख्य उद्देश्य सत्तलोक प्राप्ति है ताकि जीव सदा के लिए आवागम गमन के चक्र से पूर्णतः मुक्त हो कर परमानंद में रहे स मनुष्य के दुखों का मूलकारण स्वयं को और अपने परम पिता पारब्रह्म परमेश्वर को भुल जाना है स आज इस घोर कलियुग में सत्तराम पंथ ही एकमात्र ऐसा पंथ है जो मनुष्य का वास्तविक कल्याण कर सकता है तथा भारत को पुनः आध्यामिकता के सर्वोच्च शिखर पर आसीन कर भारत को विश्व गुरु बना सकता है स श्री राजेश दास ने आगे बताया कि आश्रम द्वारा प्रति वर्ष विशाल भंडारा और सत्तसंग का आयोजन किया जाता है , पंथ लोक कल्याण और आध्यत्मिक परिष्कर हेतु प्रतिबद्ध है एवम् समाज सेवा भी होता है।

फाइनेंस कंपनी का किस्त जमा न करने पर महिलाओं से अभद्रता

फरेंदा। कस्बे में रात फाइनेंस कंपनी का किस्त न चुकाने पर कुछ लोगों ने महिलाओं के साथ अभद्रता की। इस दौरान उनका मोबाइल आदि छीनने के साथ कपड़ा भी फाड़ दिया। पीड़ितों ने घटना की सूचना 112 नंबर पुलिस को दी और कार्रवाई की मांग की नगर पंचायत आनंद नगर की पांच महिलाओं ने एक फाइनेंस कंपनी से 40,000 रुपये लोन लिया है। समय–समय पर किस्त जमा किया जाता है। आरोप है कि रात करीब 12 बजे हथियारबंद लोग इनके घर पहुंचे और इनके साथ अभद्रता की। आरोप है कि एक महिला का कपड़ा भी फाड़ दिया। साथ ही उसका मोबाइल फोन एवं टीवी उठा ले गए। इस दौरान महिला को खींच कर गाड़ी में बैठाने की भी कोशिश की। महिला की कान की बाली एवं मंगलसूत्र खींच लिए। सूचना पर पुलिस को आता देख आरोपी फरार हो गए। थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष आनंद कुमार गुप्ता ने कहा कि तहरीर मिली है। जांच पड़ताल की जा रही है।

न तो हमलावर का पता चला और न गिरफ्तार हो सके दुष्कर्म के आरोपी

महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र में जुलाई में ताबड़तोड़ कई घटनाएं हुई, लेकिन खुलासा करने में पुलिस सफल नहीं हो सकी। चाकू से हमला कर मुनीम को घायल करने वाले हमलावर कहां गए पुलिस को पता नहीं है। दुष्कर्म का आरोपी भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। जांच की बात कर पुलिस ने इन मामलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। सिर्फ इसी माह की चार घटनाओं की बात करें तो पुलिस केस दर्ज करने के बाद से जांच में उलझी हुई है। किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। आरोपी कब तक गिरफ्तार होंगे, इसका पुलिस के पास कोई जवाब नहीं है। जानकारी के अनुसार, पनियरा थाना क्षेत्र में भगाई गईं तीन किशोरियों के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है। तीनों किशोरियां एक परिवार की हैं। उनके परिजन डरे–सहमे हुए हैं कि कहीं कुछ अनहोनी न हो गई हो। कुछ दिन पहले शराब की दुकान के मुनीम पर हमला करने वाले कहां फरार हो गए, कुछ पता नहीं चल रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पुलिस जांच पड़ताल करने का बहाना कर खामोश हो गई है। अपराध नियंत्रण पर पुलिस कुछ खास नहीं कर पा रही है। ताबड़तोड़ कई मामले जुलाई में हुए, लेकिन अपराधियों पर पुलिस शिकंजा कस नहीं पा रही है। हालांकि, पुलिस जल्द ही मामलों का खुलासा करने का दावा कर रही है। क्षेत्राधिकारी सदर अजय सिंह चौहान ने बताया कि पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। जल्दी ही सभी मामलों का पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

02 किलो 400 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

कुशीनगर । जनपद मे अवैध मादक द्रव्य पदार्थों की बिक्री/परिवहन/निष्कर्षण के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थाना रामकोला पुलिस द्वारा एक अभियुक्त संदीप चौधरी उर्फ कल्लू पुत्र अशरफी चौधरी निवासी रुपही मुशहरी भगवान पाड़े टोला भिटहा जिला पश्चिमी चम्पारण बिहार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किग्रा0 400 ग्रा0 अवैध गांजा (कुल कीमत लगभग 48,000/रुपये) बरामद किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 306/23 धारा 8/20 **N-D-P-S-Act** में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है गिरफ्तारी करने वाली टीम प्र0नि0 अखिलेश कुमार सिंह उ0नि0 विजयशंकर यादव

04 किलो अवैध गांजा व 01 मोबाइल फोन के साथ 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

कुशीनगर। जनपद मे मादक द्रव्य पदार्थो के बिक्री/निष्कर्षण/परिवहन के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे को सालिकपुर के पास से थाना खड्डा पुलिस टीम द्वारा 04 कि0ग्रा0 अवैध गांजा व एक अदद मोबाइल फोन के साथ 01नफर अभियुक्त आफताब खान पुत्र गुलाम हजरत अली सा0 रुपही डाड़ खैरा टोला थाना भितहा जनपद पश्चिमी चम्पराण बिहार को गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 324/23 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।बरामदगीधिगरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम प्र0नि0 अमित शर्मा उ0नि0 प्रमोद कुमार गौतम

यू0पी0112 पीआरवी वाहनों का किया गया निरीक्षण साथ ही बलवा ड्रिल सामग्री के साथ कराई गयी मॉक ड्रिल

कुशीनगर। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड पर कराते हुये परेड की सलामी ली गई। सलामी ग्रहण करने के उपरांत पुलिस बल की दौड़ कराई गई एवं टोली वार परेड ड्रिल का निरीक्षण करते हुए परेड ड्रिल के संबंध में जानकारी दिया गया। यू0पी0 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर संबंधित को पीआरवी के मानक के अनुसार समस्त आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व उनके सुव्यवस्थित रखरखाव हेतु निर्देशित किया गया,इसके साथ ही बलवा ड्रिल एवं टियर गैस सामग्री को चेक किया गया एवं सभी को आदेशित किया गया कि सायरन पी.ए.सिस्टम चालू हालत में हो सुनिश्चित करें,उक्त ड्रिल के दौरान शस्त्रों एवं दंगा नियंत्रण उपकरणों के संचालन का परीक्षण किया गया।इसके अतिरिक्त समस्त थानों पर भी शुक्रवार की परेड करायी गयी।शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिस कर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल भी करवाया गया।

डीएम नेहा शर्मा ने ग्राम चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

निस्तारण के लिए विभागीय अधिकारियों को दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। जिले के विकासखंड बभनजोत के अंतर्गत 6 ग्राम पंचायतों में गोंडा डीएम नेहा शर्मा ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी स शुक्रवार को जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत गौरव बुजुर्ग, ग्राम पंचायत कस्बा खास ,ग्राम पंचायत दौलतपुर माफी, ग्राम पंचायत हथियागढ़, ग्राम पंचायत मोकलपुर, तथा ग्राम पंचायत बैजलपुर में चौपाल लगाकर लोगों से संवाद करके ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू हुई। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर मौजूद अधिकारियों को निस्तारण के लिए निर्देश दिया स इसके साथ ही लापरवाह अधिकारियों को जमकर फटकार भी लगाई। चौपाल का मुख्य उद्देश्य गांव का विकास गांव में ही चर्चा करके किया जाए। विकास में रुकावट और बाधा को कैसे दूर किया जाए इसके साथ ही साथ शिक्षा प्रणाली में सुधार तथा ग्रामीण विकास और कानून व्यवस्था के साथ अवैध कब्जादारों की लिस्ट तथा भू माफियाओं पर कार्रवाई के तहत कई प्रकार के संवाद स्थापित किए गए। ग्राम चौपाल में गौरा बुजुर्ग के ग्राम प्रधान राहुल शुक्ला ने ग्राम सभा में आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाने आरसीसी रोड बनाने तथा विद्युत ट्रांसफार्मर व तार से संबंधित अपने ग्राम सभा के लिए कई मांगे रखी स शोभना देवी ने अपने जमीनी प्रकरण के बारे में बताया रजिस्टर्ड वसीयत हो गई है लेकिन अभी तक खारिज दाखिल की कार्यवाही नहीं हो पाई है। विजय बहादुर पुत्र श्री राम अनादर कुक नगर ग्रांट ने बताया कि उनकी जमीन पर दबंग ने कब्जा करके घर बना लिया है उन्होंने इसके लिए 70 एप्लीकेशन दिया लेकिन कार्यवाही नहीं हुई। आपको बता दें कि गोंडा के डीएम नेहा शर्मा ने गांव की समस्याओं के समाधान के लिए एक नई सोच को अपनाया है जिसमें ग्राम चौपाल लगाकर गांव की समस्याओं को सुनकर गांव की समस्याओं का निराकरण किया जा सके गांव की समस्या गांव में ही समाधान करते डीएम ने पूरी कार्ययोजना के साथ ग्राम चौपाल की शुरुआत कर दी है।

लोकतंत्र एवं संविधान विरोधी लोगों को मुंह की खानी पड़ी: बृजलाल खाबरी

लखनऊ। आज जैसे ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने राहुल गांधी की गुजरात हाईकोर्ट द्वारा सेशन कोर्ट की सजा को बरकरार रखने पर रोक लगाई, इसकी सूचना मिलने पर पूरे प्रदेश सहित उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा मुख्यालय राहुल गांधी जिन्दाबाद–कांग्रेस पार्टी जिन्दाबाद के नारे से गुंजायमान हो गया। भारी संख्या में लोगों के हुजूम ने एकत्र होकर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर रोक जिसके चलते लोकसभा की सदस्यता बहाल किये जाने से सम्बन्धित मा0 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय स्वागत योग्य है। इस निर्णय से एक तरफ जहां आम लोगों का न्यायपालिका पर पुनः विश्वास बहाल हुआ है वहीं दूसरी तरफ सत्तारूढ़ बीजेपी के मुंह पर करारा तमाचा लगा है जिन्होने अलोकतांत्रिक तरीके से साजिश को अंजाम दिया था क्योंकि जन नेता मा0 राहुल गांधी जी के लोकसभा सदस्य रहते प्रधानमंत्री को लगातार बार–बार सदन में मुंह की खानी पड़ती थी। आज मा0 उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय से जहां आम जनमानस का संविधान और लोकतंत्र पर विश्वास बढ़ा है वहीं लोकतन्त्र और संविधान विरोधी लोगों को मुंहतोड़ जवाब मिला है। जहां पूरे देश में खुशी की लहर है वहीं वायनाड के लोगों की आज विशेषकर जीत की खुशी हुई है, जिन्होंने राहुल गांधी जी को लोकसभा में चुनकर भेजा था।कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी एवं नकुल दुबे, पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ल, पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह, पूर्व एम0एल0सी0 दीपक सिंह, प्रदेश प्रशासन प्रभारी दिनेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, महासचिव सुबोध श्रीवास्तव, संगठन सचिव अनिल यादव, प्रदेश सचिव फिरोज खान, बृजेश सिंह, प्रदेश प्रवक्ता कृष्णकांत पाण्डेय, संजय सिंह, पंकज तिवारी, हम्माम वहीद, सचिन रावत, प्रियंका गुप्ता, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, सिद्धार्थ प्रिय श्रीवास्तव, अमरनाथ अग्रवाल, रमेश मिश्रा, जिलाध यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, बृजेन्द्र कुमार सिंह, मुकेश सिंह चौहान, नईम सिद्दीकी, शहाना सिद्दीकी, रूद्र दमन सिंह, रेहान अहमद खान, अनस रहमान, अनुराग दीक्षित मुन्ना, सुशीला शर्मा, श्रीमती सिद्धि, अंशू त्रिपाठी, विजय बहादुर, श्री आशुतोष मिश्रा, राकेश पाण्डेय, सुशील वाल्मीकि, अर्चना सिंह राठौर, डॉ0 रिचा शर्मा, डॉ0 सुधा मिश्रा, अयूब सिद्दीकी, राजेन्द्र पाण्डेय, तनवरी फातिमा, प्रज्ञा सिंह, जगदीश सिंह, संजय मौर्या, सलीम खान, सुभाष मिश्र, राजकुमार गौतम, नीरज तिवारी, सोमेश सिंह चौहान, आदि मौजूद रहे।

सत्यमेव जयते– सत्य परेशान तो हो सकता है किन्तु पराजित नहीं : प्रमोद तिवारी

लखनऊ। प्रमोद तिवारी, सांसद, उप नेता प्रतिपक्ष राज्य सभा, एवं सदस्य, केन्द्रीय कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी ने कहा है कि ''भारत जोड़ो यात्रा'' से आदरणीय राहुल गांधी की बढ़ती हुई लोकप्रियता को देखते हुये भारतीय जनतापार्टी द्वारा जो घिनौनी साजिश रची गयी थी वह पूरी तरह नेस्तनाबूत हो गयी है, और आदरणीय राहुल गांधी एक गरजती हुई सिंह गर्जना लोक सभा में भारतीय जनतापार्टी के हर भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए फिर से गूँजेगी जो ''मोदी सरकार'' को पुनः ''रास'' नहीं आएगी।राहुल गांधी की जो आवाज लोक सभा में गजरती थी उसे खामोश करने की कोशिश भारतीय जनता पार्टी द्वारा की गयी, परन्तु आज माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने जिस तरह दोनों मा. न्यायालयों के गलत तथ्यों पर आधारित दी गयी सजा व सजा की बहाली के आदेश पर रोक लगायी है वह इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा और एक नजीर बनेगा ।श्री तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पराजय की शुरुआत हो गयी है और ''इण्डिया'' के जीत का सिलसिला शुरू हो गया है, जिस तरह कर्नाटक के एक प्रकरण पर भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक द्वारा गुजरात में केस फाइल किया गया, और गलत तथ्यों पर फैसला लिया गया भारतीय जनता पार्टी की वह साजिश बेनकाब हो गयी है ।श्री तिवारी ने कहा है कि जब से इतिहास बना है और सेक्शन– 500 लागू हुआ है तब से सैकड़ों साल बाद इस दफा के मुकदमें में अधिकतम सजा दो साल करायी गयी है ताकि आदरणीय श्री राहुल गांधी जी सांसद न रह सकें, यदि एक भी सजा कम होती तो उनकी संसद सदस्यता नहीं जाती ।श्री तिवारी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की साजिश अब देश की जनता के सामने बेनकाब हो गयी है और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में देश की जनता भारतीय जनता पार्टी को इसकी सजा जरूर देगी तथा इण्डिया की जीत होगी।

शोधार्थी सम्बन्धित विकास खण्ड की आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक स्थिति के बारे में एक शोध प्रबन्ध तैयार करें: मुख्यमंत्री

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में स्वस्थ प्रतिस्पध र्ा बढ़ाने के लिए 100 आकांक्षात्मक विकास खण्डों का चयन किया गया। इसके अन्तर्गत 05 क्षेत्रों और 75 इंडिकेटर्स के साथ नीति आयोग से समन्वय बनाकर कार्य प्रारंभ किया गया। सभी 100 विकास खण्डों के लिए 100 सी0एम0 फेलो की भी तैनाती की गई, जो तकनीकी का उपयोग कर रियल टाइम डाटा को अपलोड करते हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में भी ऐसे 500 विकास खण्डों का चयन किया गया है।मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में 'मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम' के अन्तर्गत 100 आकांक्षात्मक विकास खण्डों में कार्यरत शोधार्थियों से संवाद कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने आकांक्षात्मक विकास खण्डों की प्रगति पुस्तिका (वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23) का विमोचन किया। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आकांक्षात्मक विकास खण्डों को प्रोत्साहन राशि का वितरण कर पुरस्कृत किया।

मुख्यमंत्री द्वारा ओवरऑल डेल्टा रैंकिंग में आकांक्षात्मक विकास खण्ड विष्णुपुरा (जनपद कुशीनगर) को 02 करोड़ रुपये, चिकित्सा और पोषण में आकांक्षात्मक विकास खण्ड मझगवां (जनपद बरेली), शिक्षा में आकांक्षात्मक विकास खण्ड वजीरगंज (जनपद बदायूं), कृषि और जल संसाधन में आकांक्षात्मक विकास खण्ड भीटी (जनपद अम्बेडकर नगर), वित्तीय समावेशन और कौशल विकास में आकांक्षात्मक विकास खण्ड फतेहगंज (जनपद बरेली) तथा आधारभूत अवसंरचना में आकांक्षात्मक विकास खण्ड सोहांव (जनपद बलिया) को 60–60 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के विकास की धुरी गांव हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था जितनी मजबूत व आत्मनिर्भर होगी उतनी ही मजबूती के साथ हमारा समाज, प्रदेश और देश आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त करेगा। इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में नीति आयोग ने देश के 112 आकांक्षात्मक जनपदों को सामान्य जनपदों के रूप में परिवर्तित करने का प्रयास प्रारम्भ किया था। उस समय नीति आयोग के सर्वे में उत्तर प्रदेश के भी 08 आकांक्षात्मक जनपद थे। इसमें से 04 जनपद नेपाल की सीमा से सटे हुए थे। इनमें सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच सम्मिलित थे। 04 अन्य जनपदों में चंदौली, सोनभद्र, चित्रकूट और फतेहपुर सम्मिलित थे।यह 08 जनपद देश के सबसे अधिक पिछड़े जनपदों में से थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल संसाधन, रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, फाइनेंशियल इंक्लूजन व अवसंरचना में यह जनपद पीछे चल रहे थे। प्रदेश सरकार के प्रयास व टीम वर्क से देश के आकांक्षात्मक जनपदों की टॉप 10 रैंकिंग में पांच उत्तर प्रदेश के जनपद सम्मिलित हैं। टॉप 20 में उत्तर प्रदेश के सभी 08 आकांक्षात्मक जनपद आते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तीसरी बार आकांक्षात्मक विकास खण्डों में कार्यरत शोधार्थियों से संवाद बनाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। आज का दिन आकांक्षात्मक विकास खण्डों के लिए चयन का एक वर्ष पूरा होने का अवसर है। विगत 08–09 माह से शोध ार्थी आकांक्षात्मक विकास खण्डों में जाकर 05 चयनित क्षेत्रों और 75 इंडिकेटर्स के साथ इन विकास खण्डों को सामान्य विकास खण्डों की श्रेणी में लाने का प्रयास कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खण्ड के इस अभियान के तहत जिन पांच क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है, उसके लिए विभागों के पास पर्याप्त फण्ड व कर्मचारियों की व्यवस्था है। कुछ क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। प्रदेश में बेसिक शिक्षा स्कूलों में स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा है। सम्बन्धित विकास खण्डों में तैनात सी0एम0 फेलो की जिम्मेदारी है कि वह खण्ड विकास अधिकारी व खण्ड शिक्षा अधिकारी से सम्पर्क कर विकास खण्ड के सभी स्कूलों के प्रध ानाचार्यों के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहने पाए। ऐसे ही शिक्षकों और अभिभावकों की भी बैठक कराई जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि घर–घर जाकर यह पता करें कि बच्चा स्कूल आ रहा है अथवा नहीं। किसी भी बच्चे की पढ़ाई बीच में नहीं छूटनी चाहिए। बच्चों में अभी से शिक्षा के प्रति रुचि जागृत करनी पड़ेगी। बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना लागू की है, जिसमें बेटी के जन्म लेने से लेकर स्कूल–कॉलेज जाने तथा इसके पश्चात आगे कोई भी आई0टी0आई0 या सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करने के लिए समुचित व्यवस्था दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने निःशुल्क शिक्षा, यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूता–मोजा, स्वेटर आदि की व्यवस्था की है। मिड–डे मील की भी व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही है। प्रदेश के स्कूलों की स्थिति में सुधार लाने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प चलाया जा रहा है। सी0एम0 फेलो फर्श, फर्नीचर, टॉयलेट जैसी अन्य बुनियादी सुविधाओं को स्कूल में उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायत को प्रेरित करें। प्रदेश में यह अभियान पहले से ही चलाया जा रहा है। अब केवल इसकी मॉनिटरिंग करनी है। सी0एम0 फेलो को आंगनवाड़ी की सक्रियता और उपयोगिता पर भी निगाह रखनी चाहिए।प्रदेश में संचारी रोग उन्मूलन के लिए वर्ष में तीन बार कार्यक्रम चलाए जाते हैं। स्वच्छता संचारी रोग उन्मूलन का पहला सूत्र है। गांव में स्वच्छता की व्यवस्था के लिए ग्राम प्रधान, सफाई कर्मचारियों व लोगों को प्रेरित करना भी सी0एम0 फेलो की जिम्मेदारी है। इसे गांव में जन आन्दोलन का रूप देना चाहिए। विवाह समारोह में प्लास्टिक और थर्माकोल के बर्तनों का प्रयोग न कर परम्परागत बर्तनों आदि का उपयोग करना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में टी0बी0 नियंत्रण का एक वृहद कार्यक्रम चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 तक देश को टी0बी0 से मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके अन्तर्गत मरीजों के निःशुल्क उपचार व आहार के लिए निश्चित धनराशि की व्यवस्था की गई है। सी0एम0 फेलो लोगों को टी0बी0 की जांच और उपचार के लिए प्रेरित करें। प्रदेश सरकार के प्रयासों से इंसेफलाइटिस पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। कृषि विभाग के अधि ाकारियों से सम्पर्क कर किसानों के हितों के लिए भी कार्य करें। पी0एम0 किसान सम्मान निधि में प्रत्येक चौथे महीने किसानों के खाते में 2,000 रुपये उपलब्ध ा कराए जाते हैं। किसानों को इस निधि की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में भी प्रयास करें।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में कितने किसानों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है इस बारे में भी पता करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खण्ड में स्थित इण्टर कॉलेज या डिग्री कॉलेज की लैब को स्वॉएल हेल्थ का पता लगाने के लिए भी प्रयोग में लाया जा सकता है। इसके लिए सी0एम0 फेलो कॉलेज प्रबन्धन, कृषि विभाग व छात्रों से सम्पर्क करें। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। प्रत्येक विकास खण्ड के वित्तीय समावेशन पर भी ध्यान केंद्रित करें। बैंकर्स के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित कराएं कि प्रत्येक तीसरे महीने कोई न कोई बैंक एक रोजगार मेला लगाए, ताकि युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों को ऋण प्राप्त करने का अवसर मिल सके। ऋण प्राप्त करने का उद्देश्य भी चिन्हित किया जाना चाहिए। लाभार्थियों के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की जाए।शोधार्थी विकास खण्डों की कनेक्टिविटी पर भी ध्यान देते हुए इस सम्बन्ध में जिम्मेदार अधिकारियों से वार्ता करें। सी0एम0 फेलो को महीने के 30 दिनों में कम से कम 30 ग्राम पंचायतों का भ्रमण करना चाहिए। गांव की सामाजिक, आर्थिक स्थिति का अध्ययन करें। पर्यटन विकास की सम्भावनाओं को भी तलाशने का प्रयास करें। यदि कोई मंदिर या देवस्थान स्थित है तो स्थानीय लोगों से सम्पर्क कर साफ–सफाई व पार्किंग, सुरक्षा आदि की भी समुचित व्यवस्था कराएं।मुख्यमंत्री ने कहा कि शोधार्थी सम्बन्धित विकास खण्ड की आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक स्थिति के बारे में एक शोध प्रबन्ध तैयार करें, जिसमें वहां की चुनौतियों और उपाय की भी आंकड़ों के साथ चर्चा करें। यह शोध प्रबन्ध ा भविष्य की नीतियों के निर्धारण में सहायक साबित होंगे। दो–तीन वर्ष बाद जब आपका मूल्यांकन होगा तो आपके पास स्वयं की समृद्ध लाइब्रेरी होगी। जो सी0एम0 फेलो सफलतापूर्वक अपनी कार्य अवधि को पूरा करेगा और शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करेगा प्रदेश सरकार उसको आयु सीमा में छूट के साथ–साथ सरकारी नौकरियों में भी वेटेज प्रदान करेगी। सी0एम फेलो को एक योजक के रूप में कार्य करना चाहिए। यदि योजक के रूप में कार्य करेंगे तो मात्र 02 वर्ष में इन आकांक्षात्मक विकास खण्डों में विकास प्रक्रिया को राज्य स्तर से ऊपर पहुंचाने में सफलता प्राप्त करेंगे। यदि आप ऐसा करेंगे तो लोग आपको एक सुधारक के रूप में देखेंगे और नौकरी की कोई कमी नहीं रहेगी।कार्यक्रम को वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भी सम्बोधित किया।इस अवसर पर सी0एम0 फेलो ने विकास खण्डों में किये जा रहे अपने प्रयासों और अनुभवों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।इस अवसर पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त तथा कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917,9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

विटामिन–पी क्या है? जानिए इससे युक्त खाद्य पदार्थ और इसके फायदे

आपने कभी विटामिन–पी के बारे में सुना है? शायद नहीं क्योंकि यह कोई विटामिन नहीं है, बल्कि एक शब्द है और इसका उपयोग पौधों के यौगिकों के एक समूह के लिए किया जाता है। इसे फ्लेवोनोइड्स के रूप में जाना जाता है।फ्लेवोनोइड्स खाद्य पदार्थों को रंग देते हैं और इससे युक्त खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

फ्लेवोनोइड्स को विटामिन– पी क्यों कहा जाता है?: जब वैज्ञानिकों ने साल 1930 में इसे पहली बार संतरे से निकाला था, तब फ्लेवोनोइड्स को विटामिन– पी कहा जाता था क्योंकि तब इसे एक नए प्रकार का आवश्यक विटामिन माना गया था।हालांकि, जैसे–जैसे वैज्ञानिक ज्ञान उन्नत हुआ, यह स्पष्ट हो गया कि ये विटामिन के रूप में योग्य नहीं हैं।इसी कारण विटामिन– पी को फ्लेवोनोइड्स का नाम दिया गया और अब इसको पौधों में पाए जाने वाले लाभकारी फाइटोकेमिकल्स के समूह के रूप में मान्यता प्राप्त है।

क्या हैं फ्लेवोनोइड्स?: फ्लेवोनोइड्स 6,000 से अधिक किस्म के पौधों के यौगिकों का एक विविध समूह है और पौधों के जीवन और अस्तित्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।पौधों में इनकी उपस्थिति के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें संक्रमण को रोकना, पौधों को सूरज और पर्यावरणीय तनाव से बचाना और परागण के लिए कीड़ों को आकर्षित करना आदि शामिल हैं।इसके अलावा फ्लेवोनोइड्स जामुन, चेरी और टमाटर जैसे फलों और सब्जियों को गहरे और जीवंत रंग भी प्रदान करते हैं। फ्लेवोनोइड्स से मिलने वाले लाभः फ्लेवोनोइड्स विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। इसका कारण है कि ये एंटी–ऑक्सीडेंट्स जैसी प्रतिक्रिया प्रकट करते हैं।ये मस्तिष्क कोशिकाओं की रक्षा करके मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ रख सकते हैं।इसके अलावा फ्लेवोनोइड्स का सेवन टाइप–2 मधुमेह के जोखिम कम करने में भी सहायक है और फ्लेवोनोइड्स से हृदय रोग का खतरा भी कम हो सकता है।यही कारण है कि आपको विभिन्न रंग के खाद्य पदार्थ खाने चाहिए।

फ्लेवोनोइड्स के स्रोतः फ्लेवोनोइड्स पीले, नारंगी और लाल रंगों की सब्जियों और फलों में होते हैं। साथ ही ये आम, खुबानी, संतरे और अंगूर जैसे खट्टे फलों में भी पाए जाते हैं।इसके अन्य स्रोतों में नींबू और चेरी शामिल हैं। सब्जियों में गाजर, टमाटर, मिर्च, ब्रोकोली, प्याज और ओरिगैनो फ्लेवोनोइड्स से युक्त होते हैं।फ्लेवोनोइड्स को 70 प्रतिशत से अधिक कोको सामग्री के साथ ग्रीन टी, रेड वाइन और डार्क चॉकलेट से भी प्राप्त किया जा सकता है। फ्लेवोनोइड्स की कमी से होने वाले नुकसानः शरीर में विटामिन– सी के उचित अवशोषण के लिए फ्लेवोनोइड्स जरूरी हैं।कमजोरी, थकावट, मांसपेशियों में दर्द, मसूड़ों से खून आना और मुंह में दरारें होना आदि लक्षण भी तभी सामने आते हैं, जब शरीर में फ्लेवोनोइड्स की कमी होती है।चेहरे की झुर्रियों के आसपास हल्का–हल्का रक्तस्राव दिखना भी फ्लेवोनोइड्स की कमी का संकेत हो सकता है।इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें और डॉक्टर से संपर्क करें।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का गाना कुड़माई जारी, शाहिद माल्या ने दी आवाज

28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी नजर आ रही है।फिल्म रिलीज के बाद निर्माताओं ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का

नया गाना कुड़माई जारी कर दिया है, जिसे शाहिद माल्या ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं, जबकि इसका निर्देशन प्रीतम द्वारा किया गया है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने पहले 3 दिन टिकट खिड़की पर शानदार कारोबार किया, लेकिन सोमवार से फिल्म की कमाई की रफ्तार धीमी हो गई है।बावजूद इसके फिल्म की दैनिक कमाई 70 करोड़ रुपये की ओर है, वहीं दुनियाभर में फिल्म 100 करोड़ रुपये से अधिक बटोरने में सफल रही। ये गाना जितना ही प्यारा है, उससे भी ज्यादा खूबसूरत इस गाने का वीडियो है। इस गाने के वीडियो में रॉकी और रानी का लैविश वेडिंग सीक्वेंस फिल्माया गया है। जो किसी ड्रीमी वेडिंग से कम नहीं है। बड़े से आलिशान रॉयल लोकेशन, राजवाड़ा सेट और महंगे चमकते कपड़ों में तैयार रॉकी–रानी और उनका पूरा परिवार। करण जौहर ने इसे शानदार बनाने में कोई कसार नहीं छोड़ी है, तो वहीं मनीष मल्होत्रा ने फैशन के मामले में एक बार फिर बाजी मार ली है। श्रॉकी और रानी की प्रेम कहानीच धर्मा प्रोडक्शन के तले बनाई गई है। फिल्म की कहानी शशांक खेतान, इशिता मोइत्रा और सुमित रॉय ने लिखी है। फिल्म में धर्मेंद, जया बच्चन और शबाना आजमी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

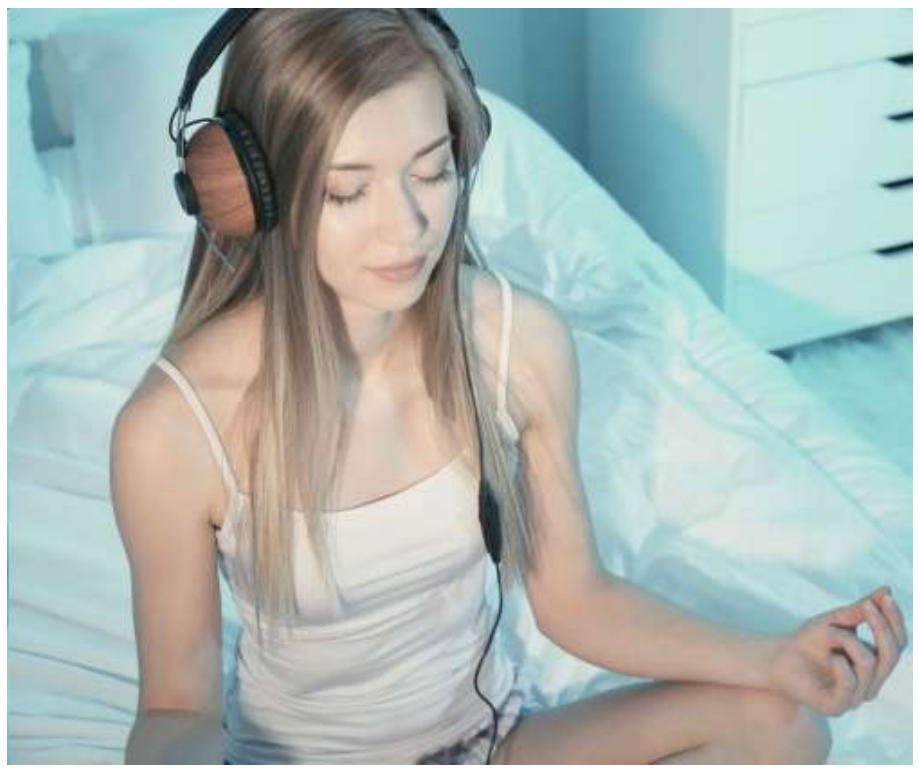

मेडिटेशन यानी ध्यान लगाना एक अद्भुत अभ्यास है, जो तनाव और चिंता से मुक्त जीवन जीने में मदद कर सकता है। यह आपको अंदर से बाहर तक तरोताजा महसूस करने में भी मदद करता है।हालांकि, क्या आप जानते हैं कि अगर मेडिटेशन का अभ्यास संगीत सुनते हुए किया जाए तो इससे आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।इसके लिए संगीत हल्का और मधुर होना चाहिए। तेज आवाज में और भड़कीला संगीत सुनने से बचें।

तनाव को दूर करने में है सहायकः मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने का सबसे बड़ा लाभ यही है कि इससे तनाव और चिंता के स्तर में कमी आती है।तनाव दुनिया की सबसे आम मानसिक समस्याओं में से एक है। अगर काम का बोझ बहुत अधिक है तो खुद को अक्सर तनावग्रस्त महसूस करना बहुत स्वाभाविक है।हालांकि, जब आप मेडिटेशन के दौरान सुखद और मधुर संगीत सुनेंगे तो आप शांत महसूस करेंगे और धीरे–धीरे तनाव भी दूर होने लगेगा। भावनाओं का संतुलन रखे बरकरारः भावनात्मक संतुलन बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है।इसका कारण यह है कि आपको पता नहीं होता कि कब और कौन–सी परेशानी आपके सामने आ खड़ी हो जाए।ऐसे में एक संतुलित दिमाग बदलती परिस्थितियों से नहीं डरता, बल्कि उनका डटकर सामना करता है।मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने से आपको अपनी भावनाओं को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। कई अध्ययनों के मुताबिक, जो लोग संगीत सुनते हुए मेडिटेशन करते हैं, वे भावनाओं से निपटने में बेहतर होते हैं। एकाग्रता क्षमता को बढ़ाने में करता है मददः अगर आप रोजाना कुछ मिनट मेडिटेशन करते समय संगीत सुनते हैं तो इससे आपका ध्यान नहीं भटकेगा और एकाग्रता क्षमता में भी इजाफा होगा।इस तरह से अगर आप कॉलेज या स्कूल के छात्र हैं तो आप बेहतर पढ़ाई कर पाएंगे और अगर कार्यस्थल पर आपका जीवन व्यस्त है तो आप नई और कठिन परियोजनाओं पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे।इससे आपको हर तरह की परेशानी को सूझबूझ के साथ सुलझाने में भी मदद मिलेगी। नींद की गुणवत्ता में करें सुधारः स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए नींद बहुत जरूरी है।पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद आपको जीवन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में भी सक्षम बनाती है।अगर आपको नींद लेने में दिक्कत होती है तो रोजाना कुछ मिनट संगीत सुनते हुए मेडिटेशन करें।इससे आप अधिक शांत व्यक्ति बन जाएंगे और बेहतर नींद लेंगे। रात की अच्छी नींद यह सुनिश्चित करेगी कि आप पूरी तरह से स्वस्थ भी हैं। शरीर को ठीक करने में है प्रभावीः मेडिटेशन से न केवल मानसिक घाव ठीक होते हैं, बल्कि शारीरिक घाव भी ठीक होते हैं।यह शरीर की कई बीमारियों को प्राकृतिक रूप से ठीक करने में मदद कर सकता है।ऐसे कई अध्ययन हैं, जो सर्जरी के बाद मेडिटेशन करते समय संगीत सुनने वालों के बीच बहुत सारे लाभ दिखाते हैं।अगर आप ऐसा कर सकें तो यकीनन इससे आपको कई लाभ मिलेंगे।

तृषा कृष्णन फिल्म लियो से एक बार फिर अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने तैयार

सुप्रसिद्ध दक्षिण भारतीय अभिनेत्री तृषा कृष्णन लियो नामक आगामी फिल्म से एक बार फिर अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित और करिश्माई

थलपति विजय अभिनीत यह फिल्म 19 अक्टूबर, 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा के बीच, आगामी परियोजनाओं में त्रिशा की संभावित भूमिकाओं के बारे में दिलचस्प चर्चाएं सामने आई हैं। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह कल्याण कृष्ण द्वारा निर्देशित फिल्म में चिरंजीवी की पत्नी की भूमिका निभा सकती हैं। एक और लुभावनी अफवाह उसी प्रोडक्शन में शारवानंद की मां के रूप में उनके चित्रण का प्रस्ताव करती है। फिल्म निर्माता इन अटकलों की पुष्टि या खंडन करने के लिए स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विशेष रूप से, यह फिल्म प्रतिष्ठित चिरंजीवी की बेटी सुष्मिता कोनिडेला के नेतृत्व में है, जिसमें गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स प्रोडक्शन हाउस के रूप में काम कर रहा है। आगामी खुलासों की प्रतीक्षा करें क्योंकि अधिक विवरण सामने आने वाले हैं, जो शौकीन सिनेमा प्रेमियों के लिए उत्साह और प्रत्याशा का माहौल सुनिश्चित करेगा।

लहंगे और डीप नेक ब्लाउज में सारा अली खान ने लगाया हॉटनेस का तड़का

फिल्म डेब्यू से पहले ही दुनिया भर में सारा अली खान के चर्चे थे। एक्टिंग डेब्यू के बाद तो एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर तहलका ही मचा दिया। सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और अक्सर अपने लुक्स से फैंस को दीवाना बनाती नजर आती हैं। सारा ने हाल ही में अपने कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिनमें उनका देसी लुक देखने के बाद फैंस अपना होश खो बैठे हैं। वैसे तो पटौदी खानदान की बेटी सारा अली खान अपनी खूबसूरती के साथ–साथ नेचुरल ब्यूटी के लिए दुनिया भर में मशहूर है। सारा अली खान ने हाल ही में लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिनमें वो काफी खूबसूरत और ग्लैमरस लग रही हैं। सारा अली खान के देसी लुक और किलर अदाओं को देखने वालों के होश तक उड़ गए और उनके फैंस अपना होश तक खो बैठे। इंडियन काउचर वीक 2023 के रैंप पर एक्ट्रेस सारा अली खान ने लहंगे और डीप नेक ब्लाउज में हॉटनेस का तड़का लगाया। सारा अली खान के इस देसी लुक को देखने के बाद फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। पीच–सिल्वर कलर के लहंगे और डीप नेक बलाउज में सारा अली खान बला की खूबसूरत लग रही थीं। इंस्टाग्राम पर सारा अली खान की ये तस्वीरें आते ही इंटरनेट पर छा गई, जिन पर फैंस जमकर अपना प्यार लुटा रहे है। इंडियन काउचर वीक के रैंप पर सारा अली खान का हुस्न देख ऐसा लगा मानों चांद जमीन पर उतर आया हो।सारा ने लहंगे के साथ डीप नेक ब्लाउज कैरी किया था, जो उनके लुक को और भी डिसेंट और हॉट बना रहा था। इन तस्वीरों में सारा अली खान अपनी पती कमर और कर्वी फिगर को जमकर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं।